UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज
सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-187 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शुक्रवार 19 जून 2026 youngbharatE-paper.com

लखनऊ मंडल के विकास को मिलेगी रफ्तार

सीएम योगी ने दिए 41,229 करोड़ के प्रस्तावों को मंजूरी के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास कार्यों को रफ्तार देने और जनआकांक्षाओं को समय से पूरा करने के लिए निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बुधवार को सरकारी आवास पर लखनऊ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

बैठक में मुख्यमंत्री ने साफ किया कि राज्य सरकार जनप्रतिनिधियों के सुझावों और मांगों को प्राथमिकता से लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त प्रस्तावों की प्राथमिकता तय कर इसी माह के अंत तक सभी कार्यों को स्वीकृत कराकर धरातल पर काम शुरू करा दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं और जनभावनाओं की गहन समझ होती है। शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में उनके अनुभव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि लखनऊ मंडल के सभी छह जनपदों (लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर और लखीमपुर खीरी) के विभिन्न विकासखंडों से लगभग 41,229 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के कुल 4,204 विकास प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को हिदायत दी कि सभी निर्माण कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ और निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही पूरा किया जाए। जिन अधिकारियों के स्तर पर कार्यों में विलंब हो रहा है या जिन्होंने अब तक काम शुरू नहीं कराया है, उनकी जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्टेट हाईवे, दीर्घ व लघु सेतु, आरओबी/आरयूबी, फ्लाईओवर, धर्मार्थ स्थलों की सड़कों और सड़क सुरक्षा से जुड़े प्रस्तावों पर जनप्रतिनिधियों के वरीयता क्रम के अनुसार तुरंत कदम उठाए जाएं। जिला मुख्यालयों को चार-लेन से जोड़ने, चीनी मिल की सड़कों, सिंगल कनेक्टिविटी मार्ग और ब्लैक स्पाट सुधार के कार्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि किसी भी विकास परियोजना के निर्माण के दौरान यदि कोई नागरिक प्रभावित होता है, तो उसका व्यवस्थित और सम्मानजनक पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। प्रभावितों को समय पर उचित मुआवजा दिया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि विकास की स्पष्ट कार्ययोजना, समयबद्धता और सतत संवाद से ही परिणामों को हासिल किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि सभी विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन एवं शिलान्यास स्थानीय जनप्रतिनिधियों के कर-कमलों द्वारा ही संपन्न कराया जाए।

मुख्य बिंदु

मंडल के जिले शामिल: लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर और लखीमपुर खीरी।

कुल प्राप्त प्रस्ताव: 4,204 विकास परियोजनाएं।

अनुमानित बजट: लगभग 41,229 करोड़ रुपये।

अब तक पूरे हुए कार्य: बैठक में पीडब्ल्यूडी ने बताया कि मंडल में 3,238 निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं, जबकि शेष परियोजनाएं अलग-अलग चरणों में निर्माणाधीन हैं।

सीएम योगी की बड़ी सौगात; लखनऊ-उन्नाव-कानपुर के बीच दौड़ेगी रैपिड रेल

एससीआर से बदलेगी युवाओं की तकदीर

(यंग भारत न्यूज)

उन्नाव: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को उन्नाव जनपद की सदर और भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्रों को एक बड़ी विकास सौगात दी है. मुख्यमंत्री ने यहां करीब 577 करोड़ रुपये की विभिन्न जन-कल्याणकारी परियोजनाओं का भव्य लोकार्पण और शिलान्यास किया. इस गरिमामयी कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने उन्नाव के विकास कार्यों को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं और विपक्षी दलों कांग्रेस तथा समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा.

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार उन्नाव के सर्वांगीण विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने देगी और इसके लिए धन की कोई कमी आड़े नहीं आएगी.विकास की मुख्यधारा में जुड़ा उन्नाव: मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नाव अब विकास की मुख्यधारा में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है और यहाँ आने वाले सभी विकास प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति दी जाएगी. मुख्यमंत्री ने आंकड़ों के साथ बताया कि 577 करोड़ रुपये की जिन परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है, उनमें से लगभग 470 करोड़ रुपये की परियोजनाएं अकेले उन्नाव सदर विधानसभा क्षेत्र से संबंधित हैं. उन्होंने मंच से स्थानीय जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि सांसद और दोनों विधायक विकास कार्यों के प्रति बेहद गंभीर हैं. जनप्रतिनिधियों की इसी सजगता के कारण ही क्षेत्र में इतनी त्वरित गति से चौतरफा विकास संभव हो पा रहा है.स्टेट कैपिटल रीजन में शामिल हुआ उन्नाव: सीएम योगी ने कहा कि उन्नाव को अब आधिकारिक तौर पर स्टेट कैपिटल रीजन में शामिल कर लिया गया है. इस महत्वपूर्ण फैसले से लखनऊ, उन्नाव और कानपुर के बीच समन्वित व आधुनिक विकास को एक नई गति मिलेगी. उन्होंने कहा कि राजधानी लखनऊ से निकलने वाला विकास अब सीधे उन्नाव और कानपुर तक निर्बाध रूप से पहुंचेगा. इससे आने वाले समय में क्षेत्र के भीतर रोजगार, बड़े उद्योगों और मजबूत आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में व्यापक व सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा.डिफेंस सेक्टर के लिए 700 एकड़ भूमि: उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार उन्नाव में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए जमीनी स्तर पर बहुत बड़े पैमाने पर कार्य कर रही है. इसी के तहत डिफेंस सेक्टर के विकास के लिए लगभग 700 एकड़ की विशाल भूमि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है. इसके अतिरिक्त यहां 200 एकड़ का लैंड क्लस्टर और 200 एकड़ का नया इंडस्ट्रियल क्लस्टर भी पूरी तरह विकसित किया जाएगा.

सुर्खियां.....

उप मुख्यमंत्री 19 एवं 20 जून को झांसी भ्रमण पर रहेंगे

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उत्तर प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी 19 एवं 20 जून 2026 को जनपद झांसी के दो दिवसीय भ्रमण पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह 19 जून को नई दिल्ली से शताब्दी एक्सप्रेस द्वारा प्रातः झांसी पहुंचेंगे तथा विभिन्न सामाजिक, संगठनात्मक एवं प्रशासनिक कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे।

भ्रमण के दौरान उप मुख्यमंत्री बृजलालसागर लघु वाटिका में विशिष्ट जनों से संपर्क करेंगे तथा पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके उपरांत सदर बाजार क्षेत्र में स्वच्छता एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे तथा आयकर भवन स्थित शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। दोपहर में सर्किट हाउस झांसी में प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही वह पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ संवाद एवं बैठक करेंगे। बाद में अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे तथा झांसी विकास प्राधिकरण स्थित दीनदयाल सभागार में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत उप मुख्यमंत्री शिवाजी नगर स्थित आवास पर व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल से भेंटवार्ता भी करेंगे। रात्रि विश्राम सर्किट हाउस झांसी में प्रस्तावित है। 20 जून को प्रातः सर्किट हाउस से प्रस्थान कर वह मध्य प्रदेश के दतिया स्थित मां पीताम्बरा देवी शक्तिपीठ में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके उपरांत दतिया हवाई पट्टी से राजकीय विमान द्वारा प्रयागराज के लिए प्रस्थान करेंगे।

अखिलेश के 25 सांसद टूटने को तैयार', राजभर के दावे को यूपी डिप्टी सीएम का समर्थन, यूपी चुनाव से पहले संकट में सपा

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर: उत्तर प्रदेश के कानपुर में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने समाजवादी पार्टी में बिखराव से संबंधित बड़ा दावा किया है। डिप्टी सीएम ने कहा कि समाजवादी पार्टी के 25-26 सांसद अलग गुट बनाने के लिए तैयार बैठे हैं। सैफई टीम को बड़ा झटका लग सकता है। डिप्टी सीएम ने यूपी चुनाव 2027 में भारतीय जनता पार्टी के प्रचंड जीत का दावा किया। उन्होंने हिंदुओं की एकता की चर्चा की और इस पर गर्व जताया। साथ ही, राम मंदिर मुद्दे पर भी बड़ी टिप्पणी की। इससे पहले यूपी सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने भी समाजवादी पार्टी में टूट की बड़ी भविष्यवाणी की थी। इस पर अखिलेश यादव का करार पलटवार सामने आया। अब इसी प्रकार की बात करते डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य दिख रहे हैं।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कानपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान समाजवादी पार्टी में टूट के विषय पर कहा कि समाजवादी पार्टी के भीतर ही बिखराव की स्थिति है। सांसदों के बीच नाराजगी बढ़ रही है। डिप्टी सीएम ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी किसी भी पार्टी को तोड़ने की कोशिश नहीं कर रही है। जब सांसदों-नेताओं को अपना भविष्य अंधकार में जाता दिखेगा तो वे निश्चित तौर पर अलग राह चुनेंगे। अखिलेश यादव के भाजपा की नकारात्मक राजनीति वाले बयान पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सैफई का चश्मा हटाएं और कानपुर का चश्मा लगा लें, उन्हें भाजपा की सकारात्मक राजनीति दिख जाएगी। भाजपा सकारात्मक सोच के साथ राजनीति करती है। इस कारण देश और प्रदेश हम लगातार विकास की राह पर हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त है। गरीबों के जीवन में खुशहाली और परिवर्तन आया है। सभी आनंद में है और एक बार फिर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। राम मंदिर में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह मामला भ्रष्टाचार का नहीं है। दान पात्रों के चढ़ावे में गड़बड़ी की कुछ शिकायतें सामने आई हैं। उसकी जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि भगवान राम के चढ़ावे का पैसा जिसने भी खाया होगा, वह उसका सुख नहीं भोग सकता है। जांच के बाद उस पैसे को रिकवर किया जाएगा। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हनुमान जी महाराज भगवान राम के भक्त हैं और वह सब कुछ देख रहे हैं। अखिलेश यादव के ब्राह्मण सम्मेलन पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वह ब्राह्मण सम्मेलन करें या ठाकुर सम्मेलन करें। उनके किसी सम्मेलन का समाजवादी पार्टी को कोई फायदा नहीं होने वाला है। सपा सैफई जाने वाली है। भाजपा लखनऊ में है और लखनऊ में ही रहेगी। भाजपा के यूपी चुनाव 2027 में भी जीत का दावा वे करते दिखे। पश्चिम बंगाल के टीएमसी में टूट के मसले पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जो पार्टियां टूट रही हैं, उसे बचाने का जिम्मा भारतीय जनता पार्टी का नहीं है। अगर कोई पार्टी टूट रही है तो इसका कारण उस पार्टी की कमी है। अगर आप परिवार बात करोगे। भ्रष्टाचार करोगे। गुंडागर्दी करोगे। इस स्थिति में जो लोग उन दलों में हैं, उनका राजनीतिक भविष्य अंधकार में दिखेगा। वह कोई दूसरे दल का ठिकाना ढूंढेंगे। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जो लोग टूट रहे हैं, वे भाजपा में नहीं आ रहे हैं। भाजपा ने किसी भी दल को नहीं तोड़ा है। रामगोपाल यादव के भाजपा के संपर्क में होने पर उन्होंने कहा कि मुझे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। मीडिया कर्मियों के हवाले से ही इस प्रकार की बातें कही जा रही हैं।

दो सीटों पर उम्मीदवार घोषित, 12 पर नाम फाइनल! यूपी चुनाव के लिए ऐसे चक्रव्यूह रच रहीं मायावती

(यंग भारत न्यूज)

मेरठ: यूपी के 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का बिगुल करीब सभी सियासी दलों ने फूंक दिया है। इससे पश्चिमी यूपी में भी चुनावी माहौल गरमा गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उम्मीदवारों के चयन में बहुजन समाज पार्टी (बीसपी) सबसे आगे चल रही है। साल 2022 और 2024 के चुनाव में बुरी तरह मात खाने के कारण कमजोर आंकी जा रही बीएसपी अन्य दलों के मुकाबले कहीं अधिक सक्रिय नजर आ रही है। बीएसपी का दावा है कि यूपी में इस बार बीएसपी जीतने वाली है और मायावती फिर से मुख्यमंत्री बनने वाली हैं।

दो सीटों पर उम्मीदवार घोषित, 12 के लिए नाम फाइनल

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बीएसपी अपने प्रत्याशियों की चयन तेजी से कर रही है। मेरठ मंडल की हापुड़ और मुरादाबाद मंडल की हसनपुर विधानसभा सीट पर पार्टी ने अपने कैंडिडेट घोषित कर दिए हैं। इसके अलावा वेस्ट यूपी की करीब 12 सीटों, जिनमें शिकारपुर, सहारनपुर देहात, पुरकाजी, गढ़मुक्तेश्वर, सरधना आदि शामिल हैं, पर उम्मीदवारों के नाम फाइनल कर दिए हैं। बसपा 22 जून से जिलों में सीटवार प्रत्याशियों की घोषणा करेगी। प्रत्याशियों के चयन में बसपा दलित और मुस्लिम के साथ सवर्णों को भी प्राथमिकता दे रही है। वेस्ट यूपी में विधानसभा क्षेत्र प्रभारियों की नियुक्तियों और घोषणाओं का सिलसिला तेज कर दिया है। पार्टी सुप्रीमो मायावती जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए जातिवार (विशेषकर दलित, मुस्लिम और सवर्ण) दूसरी ओर समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी जैसे बड़े दल उम्मीदवारों के चयन के लिए सर्वे और मंथन कर रहे हैं।

हापुड़ सीट पर विपिन दीवान प्रत्याशी घोषित

बहुजन समाज पार्टी ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पर फोकस कर रही हैं। प्रभारी और प्रत्याशी घोषित करने की शुरुआत एससी के लिए रिजर्व सीट हापुड़ से की गई है। बसपा ने हापुड़ सीट के लिए विपिन दीवान को प्रभारी और चुनाव के लिए आधिकारिक प्रत्याशी घोषित किया है। साल 2022 के चुनाव में यह सीट बीजेपी ने जीती थी।

हसनपुर में हाजी मुमताज अली लड़ेंगे चुनाव

बसपा ने दो दिन पहले मुरादाबाद मंडल के अमरोहा जिले की हसनपुर सीट के लिए पूर्व ब्लॉक प्रमुख हाजी मुमताज अली उर्फ हाजी भुट्टू को प्रत्याशी घोषित किया था। बीएसपी के राष्ट्रीय महासचिव और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पार्टी प्रभारी बाबू मुनकाद अली ने दोनों जगहों के प्रत्याशियों का ऐलान किया। अली ने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनाव की तैयारियों में जुटने की अपील की। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि वेस्ट यूपी में संगठन को मजबूत करने और मुस्लिम-दलित समीकरण को साधने की रणनीति के तहत बसपा ने हाजी मुमताज अली और विपिन दीवान को उम्मीदवार बनाया है।

22 जून के बाद होगा उम्मीदवारों का ऐलान

बाबू मुनकाद अली ने पुष्टि की है कि वेस्ट यूपी में हापुड़ और हसनपुर के दो प्रभारियों व प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए गए हैं। करीब 14-15 सीटों पर नाम लगभग फाइनल हैं। उनका ऐलान 22 जून के बाद जिले वार किया जाएगा। अच्छे जनाधार वाले, क्षेत्रीय समीकरण पर फिट बैठने वाले और जनता के बीच लोकप्रिय व साफ छवि वालों को वरीयता दी जा रही है।

समाजवादी पार्टी ने भी कुछ प्रत्याशी तय किए

बसपा के कैंडिडेट घोषित होने के साथ ही समाजवादी पार्टी खेमे से खबर आ रही है कि उसने भी कांग्रेस से गंठबंधन के मददेनजर कुछ सीटों पर कैंडिडेट फाइनल कर दिए हैं। उसने ज्यादातर मौजूदा विधायकों को पार्टी के टिकट के लिए हरी झंडी दिखा दी है। हालांकि सपा ने अभी नामों का ऐलान नहीं किया है। माना जा रहा है कि जल्द सपा भी अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा शुरू कर सकती है। उधर, बीजेपी में भी कई एजेंसियों और संगठन से सर्वे कराने के बाद उम्मीदवारों के चयन के लिए मंथन चल रहा है। पार्टी के एक प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी का कहना है कि, पार्टी की प्रदेश इकाई और क्षेत्रीय इकाई की घोषणा के बाद बीजेपी अपने चुनावी रण के योद्धाओं के नामों का ऐलान करेगी।

एक माह भी पूरा नही हुआ शादी को, नवविवाहिता प्रेमी के संग भागी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच क्षेत्र के एक गांव में नवविवाहिता के संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता होने का मामला सामने आया है। महिला की मां जमुना और पिता रामकेश ने पुलिस से शिकायत कर आरोप लगाया है कि उसकी बेटी को गांव का ही एक युवक अपने जीजा के साथ बहला-फुसलाकर भगा ले गया।इतना ही नही उक्त सभी घर में रखे नकदी और ससुराल के जेवरात भी ले गए हैं। पीड़ित मां-पिता ने मामले में पुलिस से कार्रवाई और बेटी की बरामदगी की मांग की है।जानकारी के अनुसार प्रभारी निरीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसने अपनी पुत्री पूजा की शादी 25 मई 2026 को सामाजिक रीति-रिवाजों एवं हिन्दू धर्म के अनुसार जालौन क्षेत्र में संपन्न कराई थी। आरोप है कि 16 जून 2026 को दोपहर करीब 12 बजे वह अपनी एक सहेली के साथ शादी समारोह में पहनने के लिए कपड़े और जेवर लेकर घर से निकली थी। देर शाम तक जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। खोजबीन और पूछंताछ के दौरान जानकारी मिली कि ग्राम दिरावटी निवासी एक युवक तथा उसका जीजा उसे अपने साथ ले गए हैं।

शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि विवाहिता के घर से जाने के बाद घर में रखी 62,500 रुपये की नकदी भी गायब मिली। परिजनों का कहना है कि विवाहिता अपने ससुराल पक्ष के जेवरात भी साथ ले गई है, जिससे परिवार को आर्थिक नुकसान हुआ है। पीड़िता की मां और पिता ने पुलिस को बताया कि इस घटना के बाद परिवार बेहद परेशान और मानसिक रूप से आहत है। उन्होंने आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए बेटी की जल्द से जल्द बरामदगी की मांग की है।

क्या बोले कोतवाल

कोतवाली के प्रभारी बृजेश बहादुर सिंह ने बताया कि मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शिकायती पत्र प्राप्त कर जांच शुरू कर दी है। उनका कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल युवती की तलाश के लिए संबंधित स्थानों पर जानकारी जुटाई जा रही है।

रामायण सच्चाई का दिखाती है मार्ग

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन) तहसील की ग्राम पंचायत मींगनी के बड़ी माता मंदिर के परिसर में भक्त कृष्णा प्रसाद याज्ञिक के संयोजन में श्रीरामचरितमानस रामायण पाठ का आयोजन किया गया है रामायण हम सबको सच्चाई के मार्ग को प्रशस्त करने की शिक्षा देती है देव पूज पद कमल तुम्हारे सुर नर मुनि सब भये सुखारे की गूंज रही है इस मौके पर एडवोकेट अखिलेश सविता देवी शरण माताशरण देवेन्द्र सिंह विश्राम सिंह इंजीनियर ऋषभ कुमार एडवोकेट ऋतिक राज अमित कुमार सविता सुमित कुमार सविता कृष्णा समेत अन्य भक्तों की मौजूदगी रही है

चोरी के जेवरात सहित अभियुक्त को पुलिस ने दबोचा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सर्किल के कैलिया पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी किए गए जेवरात बरामद किए हैं। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में अतिरिक्त धारा भी बढ़ाई है।कैलिया थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए आरोपी रामकुमार निवासी ग्राम किशुनपुरा थाना कैलिया को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से चोरी किया गया एक मंगलसूत्र, मनचली पांच लाकेट, एक चांदी का बिछुआ, हाफ पेटी, पायल, चार जोड़ी चांदी की बिछिया, कछुआ छाप चांदी की अंगूठी व 790 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि चोरी गई संपत्ति की शत-प्रतिशत बरामदगी कर ली गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जैल भेज दिया गया।

वामपंथी दलों के ने अमेरिकी हमले में तीन भारतियों की मौत पर रोष जताया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। अमेरिकी नौसेना द्वारा स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में कथित रूप से भारतीय नाविकों वाले वाणिज्यिक जहाज पर किए गए हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के विरोध में वामपंथी दलों के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर हमले निंदा की और दोषियों पर कार्रवाई के साथ मुआवजे की भी मांग की। वामपंथी दलों के कार्यकर्ता डॉ. रामकिशोर गुप्ता, केशभान सिहं, उदित नारायण, परमात्मा शरण, जगदीश राठौर, सुरेंद्र कुमार, कांशीराम, खलील, रमेश शर्मा आदि ने गुरुवार को राष्ट्रपति को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम रिंकू सिंह राही को सौपकर बताया कि अमेरिकी नौसेना द्वारा भारतीय चालक दल वाले जहाजों पर यह तीसरा हमला है। अमेरिकी सरकार अपने लगाए प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए जहाजों पर हमले जारी रखने की धमकी दे रही है। अमेरिकी प्रशासन की यह कार्यवाही संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्रों में स्वतंत्र नौवहन के सिद्धांतों के खिलाफ हैं। अमेरिका पूरी दुनिया पर वर्चस्व थोपने की कोशिश कर रहा है। वहीं, सरकार देश की परंपरागत स्वतंत्र विदेश नीति से पीछे हटकर अमेरिका की कनिष्ठ साझेदार बन गई है। सरकार की कमजोर प्रतिक्रिया और अमेरिका से माफी तक न मंगवा पाना भारत की संप्रभुता और आत्मसम्मान पर आघात है। वामपंथी दलों ने राष्ट्रपति से मांग की कि मारे गए नाविकों के परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए, भारत सरकार अमेरिकी आक्रामकता के खिलाफ विरोध करे और भारतीय नाविकों की हत्या की कड़ी निंदा करे और इन मौतों के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने के लिए सभी कूटनीतिक उपाय अपनाए जाएं।

बैठक में छड़ के संचालन और व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । मोहर्रम के अवसर पर निकलने वाले छड़ के जुलूस को लेकर बुधवार शाम मोहल्ला चिमनदुबे में छड़ के सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में छड़ के संचालन और व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। वहीं, सर्वसम्मति से जाकिर सिद्दीकी को छड़ कमेटी का अध्यक्ष मनोनीत किया।

मोहल्ला चिमनदुबे में आयोजित बैठक में इमरान खान ने कहा कि मोहर्रम भाईचारे, त्याग और इंसानियत का संदेश देने वाला पर्व है। पर्व के दौरान ऐसा कोई काम न करें जिससे किसी तरह से व्यवधान पैदा हो। इस दौरान उपस्थितजनों को छड़ के जुलूस के दौरान जिम्मेदारियों के बारे में बताया गया। बताया गया कि इस बार छड़ के जुलूस में 23 छड़ें निकलेंगी। वहीं, समाज में सक्रियता और संगठन क्षमता को देखते हुए जाकिर सिद्दीकी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। अध्यक्ष जाकिर सिद्दीकी ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि मोहर्रम के कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण, अनुशासित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना उनकी प्राथमिकता होगी। समाज के सभी लोगों को साथ लेकर कार्य किया जाएगा और छड़ की परंपराओं और व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से संचालित किया जाएगा। इस मौके पर कल्लू, हफीज, नौशाद, रमजानी, इसराइल, चंदा, फीरोज, अख्तर, जहूर आदि रहे।

नव निर्मित एथलेटिक्स ट्रैक का पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि ने किया लोकार्पण

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए फुन्दी सिंह लौना राजकीय डिग्री कॉलेज परिसर तथा बाराहीं देवी मेला ग्राउंड में नव निर्मित एथलेटिक्स ट्रैक का लोकार्पण पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि पुनीत मित्तल ने किया। छात्राओं के लिए डिग्री कॉलेज परिसर में तथा छात्रों के लिए बाराहीं देवी मेला ग्राउंड में अलग-अलग ट्रैक तैयार कराए गए हैं।

नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं ने कुछ समय पूर्व उपजिलाधिकारी रिंकू सिंह राही के समक्ष खेल मैदान और रनिंग ट्रैक की आवश्यकता का मुद्दा उठाया था। युवाओं का कहना था कि प्रतियोगी परीक्षाओं की शारीरिक दक्षता परीक्षा तथा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए नगर में उपयुक्त ट्रैक का अभाव है। युवाओं की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका परिषद द्वारा दोनों स्थानों पर ट्रैक का निर्माण कराया गया। लोकार्पण समारोह के दौरान पुनीत मित्तल ने कहा कि किसी भी क्षेत्र की पहचान वहां के युवाओं की उपलब्धियों से होती है। यदि खिलाड़ियों को उचित सुविधाएं और बेहतर वातावरण मिले तो वे प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नगर पालिका का प्रयास है कि युवाओं को उनके घर के नजदीक ही बेहतर खेल संसाधन उपलब्ध हों, जिससे उन्हें अभ्यास के लिए भटकना न पड़े। आने वाले समय में भी खिलाड़ियों की जरूरतों के अनुसार अन्य सुविधाएं विकसित करने का प्रयास किया जाएगा

अधूरे निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज के जल्द पूरे होने के आसार बढ़े

-प्रशासन की पहल हुई तेज - एसडीएम

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन। शासन की बड़ी परियोजनाओ को पूरा करने के लिये कवायद शुरू हो गई है। इसी को दृष्टिगत रखते हुये इंजिनियरो तथा उच्च अधिकारियों के स्थलीय निरीक्षण काफी समय से लम्बित रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण के आसार बढ़ गये हैं।

इसी को देखते हुए जोल्हुपुर मोड़ - हमीरपुर राज्य मार्ग में रेलवे क्रॉसिंग के निर्माणाधीन जोल्हूपुर रेलवे ओवर ब्रिज का इंजीनियरों के साथ एडीएम, एएसपी तथा एसडीएम कालपी के द्वारा निरीक्षण किया गया। विदित हो कि जोल्हूपुर रेलवे लाइन के ऊपर ओवर ब्रिज का निर्माण कार्यदाई संस्था उत्तर प्रदेश सेतु निर्माण निगम के द्वारा निर्माण किया जारहा है। 2 वर्ष पहले एक साइड का टू लेन ओवर ब्रिज का काम पूरा हो जाने की वजह से आवागमन शुरू हो गया था।। लेकिन अब दूसरी साइड का ओवर ब्रिज का कार्य किया जाना है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए पिछले सप्ताह अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ईशान सोनी उपजिलाधिकारी अमित शेखर के द्वारा निरीक्षण किया जा चुका है। इस मौके पर सरकारी विभागों तथा कार्यदाई संस्था के इंजीनियर मौजूद रहे थे। प्रशासन की सक्रियता से समझा जाता है कि जल्द ही ओवर ब्रिज का निर्माण कर पूरा कर लिया जाएगा। एसडीएम के मुताबिक ओवरब्रिज की जद में आने वाले भूमि के स्वामियों को मुआवजा देने के लिये सर्वे का कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशासन की पहल है कि जल्द ही निर्माण कार्य पूरा हो जाये। तथा गाडियां फर्राटा भरने लगे। आमजन की यात्रा सुगम हो सके

तेज रफ्तार यात्री बस संतुलन खोने से पलटी, एक दर्जन से अधिक यात्री घायल

-चीख-पुकार से मची अफरा तफरी, मौके पर पहुंची पुलिस

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम कनासी के पास यात्रियों से भरी बस पलटी जिसमे सवार एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए।बताया गया तेज रफ्तार होने के कारण बस का संतुलन बिगड गया था।सर्किल के नदीगांव थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जब उरई से नदीगांव जा रही यात्रियों से भरी एक प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।जानकारी के अनुसार उरई से नदीगांव की ओर जा रही प्राइवेट बस नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कन्हरी-कनासी के बीच में पहुंची ही थी कि अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया। बताया जा रहा है कि बस तेज रफ्तार में थी जिसके चलते अनियंत्रित होकर पलट गई बस के पलटते ही उसमे सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया और कई लोग सीटों के बीच दब गए।घटना की सुचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुँचे गए और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया वही सूचना पर नदीगांव थाना पुलिस भी तत्काल घटनास्थल पर पहुची पुलिस और स्थानीय लोगो की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया इसके बाद सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नदीगांव भेजा गया जहाँ उनका इलाज किया गया।हादसे में घायल अधिकांश लोगों को मामूली चोटें आई हैं जबकि कुछ लोगो को गम्भीर चोटे होने की सूचना है चिकित्सको द्वारा सभी घायलों की स्वास्थ्य जांच की जा रही पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी हैं और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा हैं।

अचानक लापता हुआ दस वर्षीय बालक, मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर की कांशीराम कालोनी से एक 10 वर्षीय बालक लापता हो गया। काफी तलाश के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर बालक की तलाश शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार कांशीराम कालोनी निवासी जगदीश वर्मा ने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि उनका बेटा आयुष्मान उर्फ उमंग उम्र 10 वर्ष 15 जून को घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान वह अचानक कहीं चला गया और देर तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश की, लेकिन बालक का कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम बालक की तलाश में जुटी हुई है।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आज, मोतियाबिंद की भी होगी जांच

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज 19 जून को नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में आंख, नाक, कान, गला एवं सिर रोगों से संबंधित मरीजों की जांच कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श दिया जाएगा। शिविर का आयोजन कोंच के विमल क्लीनिक, मार्कंडेयश्वर तिराहा, उरई रोड पर आज 19 जून शुक्रवार सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। शिविर में मरीजों की नि:शुल्क जांच के साथ दवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविर में डॉ अमन आनंद (एमबीबीएस) जनरल फिजिशियन एवं सर्जन मरीजों का परीक्षण कर परामर्श देंगे। वहीं विशेष सुविधा के तहत मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए भी मरीजों का चयन किया जाएगा।आयोजकों ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

सड़क पार कर रही स्टाफ नर्स को मोपेड ने मारी टक्कर

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य गेट के पास एक सड़क हादसे में अर्बन हॉस्पिटल की स्टाफ नर्स घायल हो गईं। हादसा उस समय हुआ जब वह अस्पताल के कार्य से सीएचसी जा रही थीं और सड़क पार कर रही थीं। टक्कर लगने के बाद उन्हें उपचार के लिए तत्काल सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्बन हॉस्पिटल में कार्यरत स्टाफ नर्स रचना गौतम पत्नी विपिन अस्पताल संबंधी कार्य से सीएचसी कोंच के अधीक्षक से मिलने जा रही थीं। बताया गया कि जब वह सीएचसी के मुख्य गेट के पास सड़क पार कर रही थीं, तभी सामने से आ रहे एक मोपेड सवार युवक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी तेज थी कि रचना गौतम सड़क पर गिर गईं और उन्हें चोटें आ गईं। हादसा होते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। आसपास मौजूद राहगीरों ने तुरंत मदद करते हुए घायल नर्स को उठाया और उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।सीएचसी में चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार नर्स को चोटें आई हैं, हालांकि उनकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीएचसी गेट के आसपास वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है, जिसके कारण यहां अक्सर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों ने अस्पताल क्षेत्र में यातायात नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

नगर के ऐतिहासिक बाजार में निष्ठा वस्त्र भण्डार का शुभारम्भ

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-जालौन। गुरुवार को नगर के सुप्रसिद्ध ऐतिहासिक टरननगंज बाजार में नवनिर्मित निष्ठा वस्त्र भण्डार का शुभारम्भ व्यलसायी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश कुमार पुरवार टिल्लू द्वारा फीता काट कर किया गया। उन्होंने व्यापार के सम्बन्ध में विचार साझा किये।

इससे पहले वस्त्र भण्डार के शुभारम्भ के पूर्व सनातन संस्कृति के अनुसार विनायक चर्तुदशी को श्रीसत्यनारायण की कथा आचार्य पण्डित विपिन के द्वारा सम्पन्न करायी गई । कथा के उपरान्त व्यवसायी राकेश पुरवार, सर्राफा व्यापारी अरविन्द सोनी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रंजीत सिंह यादव, कोमलसिंह चौहान आदि की मौजूदगी में उदघाटन की भूमिका राकेश पुरवार द्वारा निभाई गई । इस अवसर पर दुकान की प्रोप्राइटर श्रीमती नीति गुप्ता, मनीष कुमार गुप्ता तथा संरक्षक आशीष कुमार गुप्ता ने सहित बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित व्यापारियों तथा दुकानदार ने कारोबार की खूबियां बता कर विचार साझा किये।

तहसील परिसर में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे योग पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को तहसील परिसर में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक एवं आयुष चिकित्सक डॉ. आयुष सक्सेना ने उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, प्राणायाम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है, मानसिक तनाव कम होता है और व्यक्ति की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। उन्होंने सभी से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। एसडीएम रिंकू सिंह राही ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है। योग न केवल तनाव को दूर करता है बल्कि सकारात्मक सोच विकसित करने में भी सहायक होता है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कार्यक्षमता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तहसील परिसर में प्रतिदिन 10 मिनट का योगाभ्यास कराया जाएगा। इससे कर्मचारियों को मानसिक तनाव से राहत मिलेगी और वे अधिक ऊर्जा एवं उत्साह के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे।

मारपीट के आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । रंजिश के चलते एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति के साथ गाली, गलौज व पिटाई किए जाने की शिकायत पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कोरीपुरा निवासी बद्री कुमार ने पुलिस को बताया कि उनके गांव का ही सिंकू उससे रंजिश मानते हैं। रंजिश के चलते अक्सर विवाद करते रहते हैं। कई बार समझाने की कोशिश की लेकिन मानने को तैयार नहीं है।

मोहर्रम पर्व पर शांति, सौहार्द और परंपरा बनाए रखने पर जोर

नई परंपरा या नई गतिविधि की नहीं होगी अनुमति, पूर्व वर्षों की भांति ही होंगे आयोजन -जिलाधिकारी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकुशल ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में जनपद स्तरीय शांति समिति की समीक्षा बैठक आयोजित कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न धर्मगुरुओं, ताजियादारों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ संवाद स्थापित कर पर्व से संबंधित व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद अपनी गंगा-जमुनी तहजीब, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे के लिए जाना जाता है। मोहर्रम पर्व को भी इसी परंपरा के अनुरूप शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मोहर्रम के दौरान सभी कार्यक्रम पूर्व वर्षों की भांति परंपरागत रूप से ही आयोजित किए जाएं। किसी भी प्रकार की नई परंपरा, नया जुलूस मार्ग अथवा नई गतिविधि प्रारंभ नहीं की जाएगी। सभी आयोजनों का संचालन निर्धारित मार्गों एवं स्थापित परंपराओं के अनुरूप ही सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि ताजिया मार्गों का संयुक्त निरीक्षण कर लें तथा मार्गों पर साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं समय रहते सुनिश्चित कराई जाएं। उन्होंने कहा कि छोटी से छोटी समस्या का भी समयबद्ध समाधान किया जाए ताकि पर्व के दौरान किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरती जाएगी तथा पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और अफवाह फैलाने, भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने अथवा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को शांति समिति के सदस्यों, धर्मगुरुओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राजीव राज, अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी जालौन रिन्कू सिंह राही, समस्त उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, धर्मगुरु, ताजियादार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त-जिलाधिकारी

जिलाधिकारी स्वयं शिकायतकर्ताओं से संवाद कर ले रहे फीड बैक, संतुष्टि के आधार पर होगी अधिकारियों की जवाबदेही तय

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद में शासन की प्राथमिकता वाले आईजीआरएस प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता के आधार पर नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की वास्तविक समस्या का समाधान सुनिश्चित करते हुए किया जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जनसुनवाई एवं आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण करते समय स्थलीय जांच, तथ्यपरक आख्या तथा शिकायतकर्ता से संवाद को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी स्तर पर शिकायत दोबारा लंबित न हो। बताते चले कि जिलाधिकारी स्वयं आईजीआरएस पोर्टल पर निस्तारित प्रकरणों के शिकायतकर्ताओं से रेंडम आधार पर दूरभाष के माध्यम से वार्ता कर फीडबैक प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में शिकायतकर्ता असंतुष्ट पाए जाएंगे अथवा निस्तारण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित मिलेगा, उन मामलों में संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी की जवाबदेही निर्धारित करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता का विशेष ध्यान रखा जाए। राजस्व, विकास, पुलिस, विद्युत, जलापूर्ति, समाज कल्याण, पंचायत एवं अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करते हुए शिकायतकर्ता को राहत पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस शासन और जनता के बीच विश्वास का महत्वपूर्ण माध्यम है तथा इसकी प्रभावशीलता बनाए रखना सभी अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संगठित समाज ही श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण करता है -शशिकांत जी

(यंग भारत न्यूज)

उरई ! संगठित समाज ही श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण करता है -शशिकांत जी वह कल देर शाम स्थानीय जागृति होटल के सभागार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी वर्ष के तत्वाधान में उरई नगर के प्रबुद्ध जनों की प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया था इसमें वह मुख्य अतिथि के रूप में अपना बौद्धिक दे रहे थे श्री शशिकांत ने कहा की अखंड भारत अफगानिस्तान से लेकर बांग्लादेश तक फैला हुआ था लेकिन हमारा हिंदू समाज संगठित नहीं था इसलिए इस देश में पहले यमनो के फिर मुगलों के आक्रमण हुए जिन्होंने करीब 600 साल से अधिक हमारे देश पर राज किया हमें गुलाम बनाकर रखा हमारी हिंदू संस्कृति को तथा हमारे वेद पुराणों से देखकर जितना हमारा प्राचीन ज्ञान था उसको नष्ट करने की कोशिश की गई जिसका उदाहरण नालंदा विश्वविद्यालय बिहार है जहां यमनों ने जब आग लगाई तो 1 महीने से ज्यादा समय लाइब्रेरी की किताबें चलती रही यमनो ने हमारे हजारों मंदिरों को तोड़ा और लुटा डर के मारे कमजोरी तथा गरीब विभिन्न जातियों के हिंदूओं ने डरकर इस्लाम धर्म स्वीकार कर लिया उनके पूर्वज और हमारे पूर्वज एक हैं उनका खून और हमारा खून एक है मुगल शासकों ने संस्कृत भाषा की जगह पारसी और उर्दू को राजभाषा बनाया जबकि अंग्रेजन ने जिन्होंने हमें 200 साल तक गुलाम बनाए रखा उन्होंने ईसाई मिशननरियों के माध्यम से गरीब हिंदुओं को ईसाई बनाया और संस्कृत फारसी उर्दू हिंदी की जगह लॉर्ड मैकाले की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति हम पर सौंप दी जिसका परिणाम यह हुआ कि घर में यदि बच्चा बुंदेली बोलता है तो मां बाप उसे डांटे हैं और अगर अंग्रेजी बोलना है तो बड़े खुश होते हैं और आने जाने वालों से उसकी तारीफ करते हैं यह हमारी गुलामी का प्रतीक है उन्होंने कहा कि हमें अपने भारतीय होने का यहां के खान-पान का यहां की संस्कृति पर अभिमान होना चाहिए उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा एक संत जापान गए उन्हें रेलवे स्टेशन में फल नहीं मिले तो वह बढ़ बढ़ाने ने लगे कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते यह सुन एक युवक भाग कर स्टेशन के बाहर से फलों की एक टोकरी ले आया इस पर संत ने उन्हें जब पैसा देने की कोशिश की तो वह युवक ने कहा कि हमें पैसा नहीं चाहिए लेकिन भविष्य में किसी से यह मत कहना जापान में फल नहीं मिलते उन्होंने कहा कि संघ का यह शताब्दी वर्ष है संघ के संस्थापक एवं सरसंचालक केशवराव बलीराम हेडगेवार ने सन 1925 में नागपुर के मोहिते के बारे में विजयदशमी के दिन सिर्फ पांच स्वयंसेवक के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की इसके बाद सरसंघचालक गुरूजी माधवराव सदाशिव राव गोलवर्कर से लेकर आज तक वर्तमान सरसंघ चालक मोहन भागवत तक यह संगठन आज पूरी दुनिया का सबसे बड़ा स्वयं सेवी संगठन बन चुका है उन्होंने कहा हमें दलित पिछले स्वर्ण सभी समाज को अपना भाई-बहन मानना होगा तभी देश संगठित होगा हमने यह नहीं किया था तभी तो हम 800 साल गुलाम रहे हम अपने राष्ट्र को परम वैभव के शिखर पर कब ले जा पाएंगे शिवम जी इस अवसर पर गोष्ठी की अध्यक्षता शिवराम महाजन सह जिला संघ चालक ने की गोष्ठी का संचालन अभिलाष तिवारी ने किया गोष्ठी में प्रमुख रूप से जिला प्रचारक शिवम जी सह जिला प्रचारक योगेश जी नगर प्रचारक कार्तिक जी इतिहास संकलन समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रयाग नारायण त्रिपाठी अवध नारायण जी लाल जी आचार्य देवेंद्र वर्मा जी गौतम त्रिपाठी धर्मेंद्र चौहान डॉक्टर अखंड प्रताप सिंह वरिष्ठ पत्रकार अनिल शर्मा डॉ राजेश पालीवाल डॉक्टर मनोज गुप्ता श्री राम जी सेंगर डॉक्टर सुखवेनदर गुर्जर प्रशांत जी गुप्ता राघवेंद्र सिंह परिहार डॉ ब्रह्मानंद खरे भूतपूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के राघवेंद्र सिंह सेंगर सुनील विश्वकर्मा शिव शंकर श्याम प्रसाद जी आनंद त्रिपाठी जी दो रामेंद्र राजपूत महावीर गुप्ता शिक्षक नेता अशोक राठौड़ जगत कुशवाहा जी डॉक्टर विनोद अग्रवाल देवेंद्र कुलश्रेष्ठ श्री संज उपाध्याय बलवीर जी शैलेंद्र दीक्षित राजेश पालीवाल शिक्षक नेता सत्यनारायण अग्निहोत्री अजय पाल जी अरुण गुप्ता राजेश निगोतिया राम अवतार बाबूजी शिवा शुक्ला प्रशांत कुमार पुष्पेंद्र विद्यार्थी रविंद्र परिहार सुरेंद्र भदोरिया अशोक द्विवेदी जिला शारीरिक प्रमुख राकेश पटेल जी सहित ढाई सौ से अधिक प्रमुख जैन गोष्ठी में मौजूद थे

12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां तेज, सामाजिक संगठनों के साथ हुई बैठक

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। 12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर सोमवार को आयुर्वेदिक एवं यूनानी कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी वरुण कुमार गुप्त के निर्देशन में संपन्न हुई।

बैठक में समाजसेवी,विभिन्न एनजीओ,सामाजिक संगठनों एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक संगठनों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। आगामी 21 जून 2026 कों रविवार कों पुलिस लाईन उरई में प्राय 5:30 बजे से प्रारम्भ होंगी।अधिकारियों ने कहा कि योग को जन-जन तक पहुंचाने और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से सभी संस्थाओं के सहयोग से कार्यक्रम का सफल आयोजन किया जाएगा। बैठक में डॉ. सी.पी. गुप्ता,वी.के. मीना,सरिता बहन जी,ब्रजभान सिंह,शांतिस्वरूप महेश्वरी,डॉ. नरेश वर्मा,लक्ष्मण दास बाबानी,शशि सोमेंद्र सिंह,रजनी सिंह,अलीम सर,अभिनव शर्मा, आकाश याज्ञिक एवं हर्ष शर्मा सहित अनेक समाजसेवी और संगठन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मनरेगा सेल के सहायक लेखाकार पर अनियमितताओं के आरोप, जांच की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। अपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष अनिल कुशवारी ने विकास खंड माधौगढ़ के मनरेगा सेल में तैनात सहायक लेखाकार अमित त्रिपाठी पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को शिकायती पत्र भेजा है। उन्होंने मामले की उच्च स्तरीय गोपनीय जांच कराने और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत पत्र के अनुसार, संबंधित सहायक लेखाकार के खिलाफ पूर्व में भी कई मौखिक और लिखित शिकायतें की जा चुकी हैं। आरोप है कि सरकारी कार्यों और कार्यालयी अभिलेखों के रखरखाव में अनियमितताएं बरती जा रही हैं। साथ ही अवैध रूप से सुविधा शुल्क वसूलने के भी आरोप लगाए गए हैं।शिकायतकर्ता का कहना है कि इस मामले में पहले भी खंड विकास अधिकारी माधौगढ़ द्वारा पीआईडीपीआई (PIDPI) के तहत गोपनीय जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र भेजा जा चुका है। अनिल कुशवारी ने मांग की है कि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए संबंधित कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से ब्लॉक परिसर से संबद्ध कार्यों से अलग किया जाए अथवा निलंबित किया जाए, ताकि वह जांच को प्रभावित न कर सके। उन्होंने दोष सिद्ध होने पर विभागीय एवं वैधानिक कार्रवाई करने की भी मांग की है। आरोपों की पुष्टि नहीं फिलहाल शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इस संबंध में संबंधित सहायक लेखाकार या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जांच के बाद ही आरोपों की सत्यता स्पष्ट हो सकेगी।

गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी-जिलाधिकारी

गौशालाओं में क्षमता के अनुरूप गौवंश संरक्षण, हरे चारे, जल निकासी, सीसीटीवी निगरानी एवं अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपदीय गौ-संरक्षण अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनपद की विभिन्न गौशालाओं एवं वृहद गौ-संरक्षण केंद्रों की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन गौआश्रय स्थलों में 100 से कम गोवंश संरक्षित हैं, उन्हें निकटवर्ती बड़े गौआश्रय स्थलों में समायोजित करने की कार्यवाही की जाए, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके तथा गोवंशों की देखभाल अधिक प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने वृहद गौ-संरक्षण केंद्रों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी केंद्र अपनी पूर्ण क्षमता के अनुरूप संचालित किए जाएं तथा किसी भी स्थिति में निराश्रित गोवंश खुले में विचरण करते हुए न दिखाई दें। बैठक में आगामी वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए गौआश्रय स्थलों में जलभराव एवं कीचड़ की समस्या से निपटने के लिए पूर्व से ही समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि गोवंशों को मौसमजनित समस्याओं से बचाने के लिए सुरक्षित आश्रय, स्वच्छ वातावरण तथा जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने सभी गौआश्रय स्थलों पर वर्षभर हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि स्थानीय किसानों से प्रत्येक ग्राम पंचायत में दो दो किसानों से अनुबंध कर पर्याप्त मात्रा में हरा चारा उपलब्ध कराया जाए। गोचर भूमि पर हरे चारे के उत्पादन की प्रगति की भी समीक्षा की गई तथा उपलब्ध धनराशि का प्रभावी उपयोग करते हुए उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने गौशालाओं में अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव पर विशेष जोर देते हुए कहा कि निरीक्षण के दौरान सभी अभिलेख अद्यतन एवं उपलब्ध रहने चाहिए। साथ ही भूसा, हरा चारा, पशु आहार एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की उपलब्धता का नियमित रिकॉर्ड रखा जाए। उन्होंने नोडल अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए। बैठक में विकासखंड रामपुरा में प्रस्तावित वृहद गौ-संरक्षण केंद्र के निर्माण हेतु भूमि चिन्हांकन एवं अधिग्रहण की कार्यवाही की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त गौशालाओं में कार्यरत गोसेवकों एवं केयरटेकरों के मानदेय का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने तथा सभी कार्मिकों को पहचान पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। गोसेवकों के क्षमता संवर्धन हेतु विकासखंड स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सभी गौशालाओं में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग व्यवस्था को सक्रिय रखने, विकासखंड स्तर पर कैटल कैचर की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सड़कों एवं मुख्य मार्गों पर विचरण कर रहे निराश्रित गोवंशों को सुरक्षित गौआश्रय स्थलों में पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने मृत गोवंशों के सम्मानजनक एवं समयबद्ध निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्वयं सहायता समूहों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा संचालित गौशालाओं की कार्यप्रणाली की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह, डीडीओ निशान्त पाण्डेय, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मनोज अवस्थी, जिला पंचायत राज अधिकारी राम अयोध्या प्रसाद सहित संबंधित विभागों के अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भारतीय मजदूर संगठन ने 20 सूत्रीय मांगों को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में वेतन वृद्धि, आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय एवं सामाजिक सुरक्षा की उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारतीय मजदूर संगठन के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित 20 सूत्रीय ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। संगठन ने मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग करते हुए कहा कि कर्मचारियों एवं श्रमिकों के हितों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। भारतीय मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष रामनरेश गुबरेले एवं जिला मंत्री आशीष झां के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को भेंट किया। ज्ञापन में प्रमुख रूप से आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों को 1 जनवरी 2026 से लागू करने तथा न्यूनतम वेतन 72 हजार रुपये प्रतिमाह निर्धारित करने की मांग की गई। इसके अतिरिक्त संगठन ने आशा कार्यकर्ताओं को न्यूनतम 18 हजार रुपये मासिक वेतन तथा आशा संगिनी को 24 हजार रुपये मानदेय निर्धारित किए जाने के साथ सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाई। ज्ञापन में कर्मचारियों एवं श्रमिकों से जुड़ी अन्य विभिन्न मांगों को भी शामिल किया गया है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन आगे की रणनीति तय करने के लिए बाध्य होगा। इस दौरान संगठन के कई पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा की केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में वामपंथी दलों का प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। वामपंथी दलों के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बुधवार को केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपते हुए विभिन्न मुद्दों पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं।

प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार देश की परंपरागत स्वतंत्र विदेश नीति से पीछे हट रही है और अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि हाल के घटनाक्रमों में सरकार की प्रतिक्रिया कमजोर रही है, जिससे देश की संप्रभुता और आत्मसम्मान प्रभावित हुआ है। वामपंथी नेताओं ने केंद्र सरकार से विदेश नीति सहित विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर स्पष्ट एवं प्रभावी रुख अपनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश के हितों और स्वाभिमान की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।इस अवसर पर का. रामसिंह चौधरी, का. राजीव कुशवाहा, का. मुकेश मौर्य, का. देवेश चौरसिया, विनोद कुमार, डॉ. रामकिशोर गुप्ता (जिला सचिव, सीपीआई), का. कमलेश कुमार आचार्य सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पहुज नदी में दर्दनाक हादसा: भिंड के तीन युवकों की डूबने से मौत, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

- जालौन के गोपालपुरा के पास पहुज नदी में नहाते समय तीन युवक गहरे पानी में डूबे
- एसडीआरएफ और गोताखोरों ने चलाया रेस्क्यू अभियान, तीनों को मृत अवस्था में निकाला गया
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिया संज्ञान, डीएम-एसपी ने पहुंचकर परिजनों को बंधाया ढांढस

(यंग भारत न्यूज)

जालौन जनपद के माधौगढ़ क्षेत्र स्थित ग्राम गोपालपुरा के निकट पहुज नदी में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में मध्य प्रदेश के भिंड जनपद के तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराईं।

जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के भिंड जनपद के थाना मिहौना क्षेत्र स्थित ग्राम लिधौरा निवासी जगमोहन बघेल (19) पुत्र चरण सिंह, सुधीर बघेल (15) पुत्र जगदीश तथा अवनीश यादव (20) पुत्र गंगा सिंह यादव सहित कुल 17 युवक आगामी 19 जून को मंगलौर में आयोजित एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने के लिए एकत्रित हुए थे। कार्यक्रम से पूर्व सभी युवक घूमने और स्नान करने के उद्देश्य से जालौन के ग्राम गोपालपुरा के निकट पहुज नदी पहुंचे। नदी में स्नान के दौरान जगमोहन, सुधीर और अवनीश अनजाने में गहरे पानी की ओर चले गए। कुछ ही देर में तीनों डूबने लगे। उनके साथ मौजूद युवकों और स्थानीय लोगों ने तत्काल उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव और गहराई के कारण सफलता नहीं मिल सकी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन हरकत में आया और तत्काल गोताखोरों तथा एसडीआरएफ टीम को मौके पर बुलाया गया। एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों ने संयुक्त रूप से व्यापक खोज एवं बचाव अभियान चलाया। काफी प्रयासों के बाद तीनों युवकों को नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल संज्ञान लिया और मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने तथा पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। अधिकारियों ने एसडीआरएफ एवं अन्य एजेंसियों के माध्यम से रेस्क्यू अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित कराने के साथ-साथ मध्य प्रदेश प्रशासन से समन्वय स्थापित कर शवों को सम्मानपूर्वक परिजनों को सौंपने और आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कराने के निर्देश दिए। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई की मोर्चरी भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की आपराधिक घटना सामने नहीं आई है। प्रथम दृष्टया हादसा स्नान के दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण हुआ प्रतीत हो रहा है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जनसामान्य से अपील की है कि वर्षा ऋतु में नदी, तालाब और अन्य जलाशयों में जलस्तर बढ़ जाने के कारण विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने लोगों से सुनसान और गहरे जल क्षेत्रों में स्नान न करने तथा सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

कलश यात्रा के साथ प्रारम्भ हुआ पंच कुंडीय श्रीराम महायज्ञ व श्रीमद भागवत महापुराण

-एवं श्री नंदीश्वर महाराज की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान

(यंग भारत न्यूज)

कालपी(जलौन)। कदौरा विकासखंड के ग्राम काशीखेरा के कुकरताल इटौरा मार्ग पर गुरुवार 18जून से 24जून तक होने वाले श्रीराम महायज्ञ की विशाल कलश यात्रा के साथ ही सात दिवसीय धार्मिक आयोजन प्रारम्भ हो गया।

कार्यक्रम संरक्षक श्री श्री 108 श्री हरिचरण दास जी महाराज कुकर ताल आश्रम के अनुसार भगवान श्री रामचंद्र महाराज व माता सीता एवं हनुमान जी महाराज की असीम अनुकम्पा से कुकर ताल आश्रम पर श्री पंचकडीय महायज्ञ व श्रीमद भागवत महापुराण कथा का साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ एवं नन्दीश्वर महाराज की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन प्रारम्भ हो गया है। उक्त आयोजन में यज्ञ आचार्य श्री पंडित श्री गोपाल कृष्ण और प्रधान कुंड के परीक्षित श्री इंदल सिंह पाल व श्रीमती चंद्रावती इसी तरह भागवत कथा के पारिक्षित का सौभाग्य प्राप्त हुआ है नरेश प्रजापती एवं श्रीमती राम मूर्ति को कथावाचक हैं डॉक्टर मिथलेश त्रिपाठी इसके अलावा कार्यक्रम में कृपा पात्र श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री ब्रह्म नारायण दास महाराज साहोकर खेरा मुसमरिया विशेष क्रपा है श्री श्री 1008 साकेत धाम वासी महंत गोपीशरण जी महाराज श्री सतगुरु आश्रम बारदौली की विशेष अनुकंपा।इसी तरह मंहत श्री शीतल दास जी महाराज लौना श्री भगवान दास महामंडलेश्वर मोहिनी सरकार महंत रामशरण दास जी महाराज शास्त्री पंचमुखी हनुमान टीला अयोध्या श्री कमल दास जी महाराज सतगुरु आश्रम बारदौली महंत भरत दास जी महाराज सहोकर खेरा मुसमरिया महंत वीरेंद्र दास जी महाराज सिकंदरा कानपुर देहात महंत अयोध्याशरण जी महाराज पीली कोठी चमारी महंत क्षमादास जी महाराज चुरखी महंत रामशरण दास पिथऊपुर अतवलदास सरसई महंत कलानिधि दस बड़ी भेडी महंत शिवदास नादई परशुराम दास नूरपुर महंत ओमकार शरण सिद्ध बाबा नसीरपुर महंत कन्हैया दास अटरिया महंत मंगलदास आमगवां महंत सुरेंद्र दास बोहदपुरा महंत रघुवीर शरण सकरिया कुआं सुरौती, महंत उदयशरण मरगायां महंत ज्ञानदास रिनियां महंत प्रहलाद दास बड़ा गांव महंत विहार दास महाराज बडागांव महंत दयालदास रोकडिया हनुमान मंदिर काशी खेड़ा चौराहा महंत मोहनलाल शरण किसुनपुर कानपुर देहात महंत बलिकदास बवसौदी महंत लक्ष्मण दास छोटी नादई महंत लाल दास मेरता सिटी राजस्थान महंत मण्लेश्वर दास कालभैरव बाबा कोडा किराई श्री राम जानकी मंदिर चरण सेवक महंत लखन शरण महाराज सतगुरु आश्रम बरदौली श्री किशोरी शरण महाराज बिन्ध्यवासनी मन्दिर सतगुरू आश्रम एवं श्री मौहन जी महाराज की विशेष उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रमके संबंध मे जानकारी देते शिव शंकर बरदौली ने बताया कि 18जून 2026गुरूवार श्री गणेश पूजन कलश यात्रा कथा प्रारम्भ 19जून2026 शुक्रवार अग्नि स्थापना हवन प्रारम्भ 24जून 2026 शनिवार पूर्ण आहुति एवं विशाल भंडारा प्रसाद वितरण मे निवेदक समस्त ग्राम वासी एवं भक्तगण क्षेत्र वासी की तरफ से सभी धर्मानुरागी सज्जन माता एं बहनें सादर आमंत्रित हैं कार्यक्रम मे उपस्थित होकर अपने जीवन को क्रतार्थ करें और आयोजन की सफलता के सहभागी बनें।

शराब की दुकान के विरोध में सड़कों पर उतरे रोरा मानपुरा के ग्रामीण, दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन): जालौन जिले की तहसील माधौगढ़ और विकास खंड नदीगांव के अंतर्गत आने वाले शांत और खुशहाल गांव रोरा मानपुरा में इन दिनों भारी आक्रोश का माहौल है। गांव में नई शराब की दुकान खोले जाने के प्रस्ताव के खिलाफ सैकड़ों ग्रामीणों ने एकजुट होकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का साफ कहना है कि वे किसी भी कीमत पर अपने गांव की शांति और युवाओं का भविष्य बर्बाद नहीं होने देंगे।

उक्त मामले की शुरुआत दो दिन पहले हुई, जब ग्रामीणों को भनक लगी कि मानपुरा में एक नई शराब की दुकान खुलने जा रही है। इसके लिए गांव के मुख्य रोड के किनारे बनी कुछ दुकानों को किराए पर लेने की प्रक्रिया चल रही है। सूचना मिलते ही ग्रामीण सक्रिय हो गए। उन्होंने तुरंत संबंधित दुकान मालिक से संपर्क कर विनम्रतापूर्वक निवेदन किया कि वह अपनी दुकान शराब के ठेके के लिए किराए पर न दे। इसके साथ ही ग्रामीणों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी भी दी है कि यदि निजी स्वार्थ में दुकान शराब के लिए भाड़े पर दी गई, तो समस्त ग्रामवासी सड़कों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी दुकान मालिक और स्थानीय प्रशासन की होगी। विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों का दर्द और आक्रोश साफ देखने को मिला। ग्रामीणों ने कहा:> 'हमारा एक छोटा सा, हरा-भरा और खुशहाल गांव है। अगर यहाँ शराब की दुकान खुली, तो गांव की सुख-शांति पूरी तरह भंग हो जाएगी। शराब के नशे में रोज लड़ाई-झगड़े होंगे, जिससे महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी।ग्रामीणों ने नई पीढ़ी के भविष्य को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जो बच्चे आज हाथों में किताबें लेकर स्कूल जा रहे हैं, शराब के माहौल के कारण कल उनके हाथों में कटोरा आ जाएगा। शराबखोरी गांव के गरीब परिवारों को बर्बादी की कगार पर धकेल देगी।इस विरोध प्रदर्शन में महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं समेत सैकड़ों की तादाद में लोग मौजूद रहे। ग्रामीणों ने गगनभेदी नारे लगाकर शासन और प्रशासन से मांग की है कि इस जनविरोधी फैसले को तुरंत रोका जाए। ग्रामीणों का संकल्प है कि जब तक प्रशासन इस दुकान को निरस्त करने का लिखित आश्वासन नहीं देता, उनका यह शांतिपूर्ण विरोध जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर इसे और बड़ा रूप दिया जाएगा।

लूट की झूठी सूचना देकर डायल 112 को किया गुमराह, जीजा-साले को भेजा गया जेल

(यंग भारत न्यूज)

कालपी। आपातकालीन सेवा डायल 112 पर लूट की झूठी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करना दो लोगों को महंगा पड़ गया। जांच में मामला पूरी तरह भ्रामक पाए जाने पर कोतवाली कालपी पुलिस ने कॉलर अंशुल और उसके जीजा कुलदीप के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

पुलिस के अनुसार 17 जून 2026 को अंशुल ने डायल 112 पर सूचना दी कि वह काशीखेड़ा से वनखण्डी देवी मंदिर मार्ग होते हुए कालपी जा रहा था, तभी रास्ते में मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी जेब से पांच हजार रुपये निकाल लिए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।जांच के दौरान अंशुल और उसके जीजा कुलदीप पुत्र स्वर्गीय तुलाराम मौके पर मिले। पूछताछ में सामने आया कि अंशुल की मोटरसाइकिल रास्ते में खराब हो गई थी, जिसे वह पैदल लेकर जा रहा था। इसी दौरान उसकी जेब से 1700 रुपये गिर गए। सामने से गुजर रहे दो अज्ञात बाइक सवार रुपये उठाकर चले गए। अंशुल ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं रुके और रुपये भी वापस नहीं किए।इसके बाद अंशुल ने अपने जीजा कुलदीप को फोन पर घटना की जानकारी दी। आरोप है कि कुलदीप ने उसे डायल 112 पर पांच हजार रुपये और 250 ग्राम चांदी लूटे जाने की झूठी सूचना देने की सलाह दी। इसी के आधार पर अंशुल ने पुलिस को लूट की गलत सूचना दे दी।पुलिस जांच के दौरान कॉलर के मोबाइल में झूठी सूचना से संबंधित रिकॉर्डिंग भी मिली, जिससे पूरे मामले का खुलासा हो गया। पुलिस ने पाया कि दोनों व्यक्तियों ने जानबूझकर आपातकालीन सेवा का दुरुपयोग करते हुए भ्रामक सूचना प्रसारित की और पुलिस तंत्र को गुमराह करने का प्रयास किया।मामले में दोनों आरोपितों के विरुद्ध बीएनएसएस की धारा 170, 126 एवं 135 के तहत कार्रवाई कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि डायल 112 जैसी महत्वपूर्ण आपातकालीन सेवा का उपयोग केवल वास्तविक घटनाओं की सूचना देने के लिए करें। झूठी सूचना देने, अफवाह फैलाने अथवा पुलिस को गुमराह करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एट बाजार गई 21 वर्षीय युवती रहस्यमय परिस्थितियों में लापता, परिजनों ने दर्ज कराई गुमशुदगी

(यंग भारत न्यूज)

उरई। के एट थाना क्षेत्र के ग्राम अमीटा की एक 21 वर्षीय युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। युवती के अचानक गायब होने से परिजनों में चिंता का माहौल है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम अमीटा निवासी खुशी रजक (21 वर्ष) गुरुवार दोपहर लगभग 1:30 बजे एट बाजार गई थी, लेकिन देर शाम तक घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने अपने स्तर पर रिश्तेदारों, परिचितों और संभावित स्थानों पर उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। युवती की माता राजकुमारी अपने पति आशुतोष कुमार एवं भाई नीरज कुमार के साथ एट थाने पहुंचीं और पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र देकर बेटी के लापता होने की जानकारी दी। परिजनों ने बताया कि काफी खोजबीन के बावजूद खुशी का कोई पता नहीं चल सका, जिससे परिवार बेहद परेशान और चिंतित है। एट पुलिस ने प्रार्थना पत्र स्वीकार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस युवती की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाने के साथ-साथ अन्य आवश्यक कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द से जल्द युवती का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परिवार ने भी आमजन से अपील की है कि यदि किसी को युवती के संबंध में कोई जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस अथवा परिजनों को सूचित करें।

टीडीटी अनिवार्यता से राहत की मांग को लेकर शिक्षकों का प्रदर्शन

(यंग भारत न्यूज)

उरई। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर गुरुवार को जनपद के शिक्षकों ने 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता से स्थायी राहत प्रदान किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान शिक्षकों ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर आवश्यक विधायी कार्रवाई की मांग की।

कार्यक्रम का नेतृत्व महासंघ के जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह चौहान ने किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में टीईटी लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों की नियुक्तियां तत्कालीन नियमों, मानकों एवं चयन प्रक्रिया के अनुरूप विधिवत की गई थीं। ऐसे शिक्षक वर्षों से विद्यालयों में सेवाएं देते हुए विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान निभा रहे हैं।जिलाध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा 23 अगस्त 2010 को टीईटी को न्यूनतम अर्हता घोषित किया गया था। इससे पहले बड़ी संख्या में शिक्षक वैध रूप से नियुक्त हो चुके थे। उन्होंने कहा कि बाद में लागू की गई अर्हता के आधार पर पूर्व नियुक्त शिक्षकों को प्रभावित करना न्यायोचित नहीं है। महासंघ के जिला महामंत्री इलियास मंसूरी ने कहा कि संगठन सर्वोच्च न्यायालय के 29 मई 2026 के निर्णय का सम्मान करता है, लेकिन लाखों शिक्षकों के हितों और उनके भविष्य की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार एवं संसद को आवश्यक कदम उठाने चाहिए। उन्होंने मांग की कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम में संशोधन अथवा विशेष प्रावधान के माध्यम से 23 अगस्त 2010 से पूर्व तथा उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थायी राहत प्रदान की जाए। महासंघ ने चेतावनी दी कि यदि शिक्षकों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन देशव्यापी आंदोलन करने को बाध्य होगा। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आटा-अकोड़ी मार्ग की बदहाली पर ग्रामीणों में भारी आक्रोश, सड़क मरम्मत की उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन): तहसील कालपी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला आटा से अकोड़ी को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग पिछले लंबे समय से अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। लगभग 4 किलोमीटर लंबा यह संपर्क मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों में प्रशासन के खिलाफ गहरा रोष व्याप्त है। सड़क की खस्ताहाल स्थिति के कारण क्षेत्र के लोगों का जीना मुहाल हो गया है और वे जल्द से जल्द इस समस्या के समाधान की मांग कर रहे हैं।

अकोड़ी निवासी शिक्षक योगेश पाण्डेय सहित अनेक ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग पर चौबीसों घंटे भारी वाहनों का आवागमन बना रहता है। क्षमता से अधिक लोड लेकर गुजरने वाले इन वाहनों के कारण डामर की सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है और अब वहां सिर्फ गहरे गड्ढे ही नजर आते हैं। स्थिति यह है कि वाहन चालकों को यह समझ नहीं आता कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क। कई स्थानों पर तो इतने गहरे और खतरनाक गड्ढे हो चुके हैं कि आए दिन दोपहिया और तिपहिया वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। यह मार्ग केवल दो गांवों को ही नहीं जोड़ता, बल्कि यह आसपास के एक दर्जन से अधिक गांवों के हजारों लोगों के लिए मुख्य संपर्क मार्ग (लाइफलाइन) है। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं, अपनी उपज लेकर मंडी जाने वाले किसान, बुजुर्ग और मरीज इसी मार्ग से होकर तहसील व जिला मुख्यालय तक का सफर तय करते हैं। सड़क खराब होने के कारण जहां समय की बर्बादी होती है, वहीं वाहनों में भी तकनीकी खराबी आ रही है। सबसे ज्यादा परेशानी गंभीर मरीजों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले जाने में होती है। ग्रामीणों का कहना है कि अब वर्षाकाल (मानसून) शुरू होने में बहुत कम समय बचा है। यदि बारिश से पहले इस मार्ग की सुध नहीं ली गई, तो इन गड्ढों में पानी भर जाएगा। ऐसी स्थिति में सड़क पूरी तरह से तालाब का रूप ले लेगी, जिससे पैदल चलना भी असंभव हो जाएगा और हादसों का ग्राफ कई गुना बढ़ जाएगा। शिक्षक योगेश पाण्डेय और क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन व पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) से पुरजोर मांग की है कि बारिश शुरू होने से पहले ही इस संवेदनशील मामले को संज्ञान में लिया जाए। क्षेत्र के आक्रोशित ग्रामीणों ने उत्तर प्रदेश शासन और स्थानीय प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि वे अब इस बदहाली को और अधिक बर्दाश्त नहीं करेंगे। यदि जिला प्रशासन ने शीघ्र ही इस 4 किलोमीटर लंबे मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर इसकी मरम्मत या पुनर्निर्माण का कार्य शुरू नहीं कराया, तो वे जनहित में उग्र आंदोलन, चक्का जाम और प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

थाना कुठौंद में समाधान दिवस के आयोजन में विकासखंड के सभी संचालित विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी की मांग कर रहे ग्रामीण

समाधान दिवस में पुलिस विभाग तथा राजस्व विभाग ही रहता मौजूद। ग्रामीणों द्वारा की गई अन्य विभागों की शिकायतों का नहीं हो पाता निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन। उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा थाना स्तर पर समाधान दिवस का आयोजन प्रत्येक माह के दूसरा शनिवार तथा चौथा शनिवार को किया जाता है। जिसमें विकासखंड क्षेत्र के शिकायतकर्ता अपनी अपनी समस्याओं की शिकायतें करने आते हैं। जबकि ग्रामीणों की किसी भी विभाग की समस्या हो सकती है। जैसे की बिजली विभाग , विकास विभाग ,स्वास्थ्य विभाग,पशुपालन विभाग , आंगनबाड़ी विभाग तथा बैंकों के संबंध में की गई शिकायतों का निस्तारण हो सके। इसलिए समाधान दिवस के आयोजन में इन सभी समस्त विभागों से अधिकारी या कर्मचारी की उपस्थित होना अनिवार्य है। जैसी तहसील समाधान दिवस में सभी विभागों के अधिकारी या कर्मचारी की उपस्थिति रहती है। इसी प्रकार से थाना समाधान दिवस में विकासखंड के अंतर्गत संचालित विभागों की उपस्थित भी होनी चाहिए। क्योंकि राजस्व के मामले में की गई शिकायतों का निस्तारण राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा निस्तारित किया जाता है। और पुलिस विभाग द्वारा लड़ाई झगड़ा जैसी समस्याओं का निस्तारण किया जाता है। इसलिए विकासखंड के अंतर्गत संचालित विभाग के अधिकारी या कर्मचारी की उपस्थित होने पर क्षेत्र से आए हुए ग्रामीणों की समस्या का निस्तारण हो सके। थाना क्षेत्र तथा विकासखंड क्षेत्र के ग्रामीणों की जिलाधिकारी से मांग है की थाना दिवस के आयोजन में प्रत्येक माह के दूसरा शनिवार व चौथा

शनिवार को उपस्थित रहने का आदेश पारित किया जाए । ताकि समाधान दिवस को संपूर्ण समाधान दिवस का रूप मिल सके। यही क्षेत्रीय जनता की जिले पर बैठे उच्च अधिकारियों से पुकार है। अब देखना है कि इस खबर के प्रशासन से शासन व प्रशासन पर कितना असर पड़ेगा।

समझौते के लिए गए थे भाजपा नेता भारत सिंह, खनन विवाद में जिंदा जलाए गए; कैसे इतनी बढ़ी रंजिश

(यंग भारत न्यूज)

कोरिया जिले में भाजपा नेता भारत सिंह समेत तीन लोगों को जिंदा जलाकर मार डालने के मामले में नए खुलासे हुए हैं. जानकारी मिली है कि वह सोनहत पुलिस थाना क्षेत्र के तहत आने वाले एक गांव में खनन विवाद में समझौता कराने के लिए गए थे.इसी दौरान उनकी फॉर्च्यूनर कार को ट्रक से टक्कर मार दी गई. उनकी कार टक्कर के बाद जल गई और भारत सिंह समेत तीनों लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई. छत्तीसगढ़ पुलिस ने इस मामले में अब तक अक्षत त्रिपाठी, विशाल त्रिपाठी, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और मन्नू त्रिपाठी को अरेस्ट कर लिया है. इसके अलावा अन्य आरोपियों की तलाश जारी है. हत्या और हत्या के प्रयास के आरोपों के तहत कुल 9 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है.

इस घटना के बाद पूरे कोरिया जिले में ही दहशत का माहौल है और इलाके में कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर फोर्स को तैनात किया गया है. भारत सिंह की इस तरह क्रूरता से हत्या किए जाने की घटना से इलाके में दहशत

का माहौल है. उन्हें इलाके में लल्ला सिंह के नाम से भी जाना जाता था और वह जनपद पंचायत अध्यक्ष भी रहे थे. आरोपियों के परिवार का भी भाजपा से ही कनेक्शन बताया जा रहा है. शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत सिंह के परिवार को इलाके में खनन का ठेका मिला था. स्थानीय लोगों का दावा है कि इसी को लेकर विवाद था. खनन, ट्रांसपोर्टेशन पर कब्जे को लेकर खींचतान की स्थिति थी.

कोरिया जिले के सोनहत, कैलाशपुर, तेलीमुड़ा, बेलिया और छिंगुरा में खनन कारोबार को लेकर खींचतान चल रही थी. इसी को लेकर समझौता वार्ता के उद्देश्य से भारत सिंह उर्फ लल्ला भैया पहुंचे थे. कहा जा रहा है कि यह विवाद कई महीनों से भारत सिंह के गुट और भाजपा के दूसरे नेता मनोज त्रिपाठी के परिवार के बीच चल रहा था. त्रिपाठी परिवार भी खनन कारोबार में शामिल रहा है और बैकुंठपुर में उसका बिजनेस रहा है. भारत सिंह और मनोज त्रिपाठी के परिवार के बीच इसी खनन कारोबार को लेकर विवाद था. फिर यह विवाद धीरे-धीरे प्रभाव और प्रतिष्ठा से भी जुड़ गया. मंगलवार की रात को यह विवाद अपने चरम पर पहुंच गया और हिंसा में भारत सिंह अपने दो समर्थकों के साथ मारे गए. शुरुआती जांच में पता चला है कि भारत सिंह की फॉर्च्यूनर कार को आगे और पीछे से ट्रकों से घेर लिया गया था. ट्रकों ने कार को ऐसा घेरा था कि वह निकल कर भाग नहीं सके. इसी दौरान कार को आग के हवाले कर दिया गया. कुछ लोगों का कहना है कि ट्रक की टक्कर से कार में आग लगी थी. इसी के चलते भारत सिंह और उनके साथी कार के अंदर ही जल गए. भारत सिंह के अलावा मरने वाले दो अन्य लोगों की पहचान वीरेंद्र सिंह और नागेंद्र सिंह के रूप में हुई है. नागेंद्र सिंह पेशे से टीचर थे और भारत सिंह के चचेरे भाई थे.

गले में रुद्राक्ष, माथे पर त्रिपुंड... महाकाल की भस्म आरती में पहुंचा मुस्लिम युवक, फिर जो हुआ?

(यंग भारत न्यूज)

मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकाल मंदिर के आसपास एक युवक की पहचान को लेकर विवाद खड़ा हो गया, जिसके बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है. वहीं अब घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. सामने आई जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी क्षेत्र का रहने वाला सरफराज शेख एक युवती के साथ उज्जैन पहुंचा था. बताया जा रहा है कि दोनों देर रात महाकाल मंदिर में होने वाली भस्म आरती में शामिल होने की तैयारी कर रहे थे. इसी दौरान वे हरसिद्धि चौराहे के पास मौजूद थे, जहां कुछ लोगों की नजर उन पर पड़ी.

वहीं इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने बताय कि युवक के माथे पर त्रिपुंड और गले में रुद्राक्ष की माला थी, जिससे वह सामान्य हिंदू श्रद्धालु जैसा दिखाई दे रहा था. इसी बीच वहां मौजूद कुछ लोगों ने उससे परिचय और पहचान के बारे में पूछताछ शुरू कर दी. आरोप है कि युवक ने शुरुआत में अपनी पहचान को लेकर

अलग जानकारी दी, जिसके बाद युवक को लेकर शक और ज्यादा बढ़ गया. वहीं बाद में जब उसके दस्तावेजों की जांच की गई तो उसका नाम सरफराज शेख सामने आया.मामले की जानकारी फैलते ही कुछ सामाजिक और धार्मिक संगठनों के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए. इसके बाद युवक से लगातार सवाल-जवाब किए गए, जिस दौरान माहौल और भी तनावपूर्ण हो गया. इस दौरान देखते ही देखते इतना विवाद बढ़ गया कि युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी गई. वहीं घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में युवक लोगों से खुद को छोड़ देने की अपील करता नजर आ रहा है, जबकि आसपास मौजूद लोग उससे उसकी पहचान को लेकर सवाल पूछते दिखाई दे रहे हैं. बता दें, घटना के बाद युवक को पुलिस के हवाले कर दिया गया है, जिसके बाद महाकाल थाना पुलिस ने मामले को लेकर जांच शुरू कर दी है. थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि वायरल वीडियो, दस्तावेजों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर सभी तथ्यों की जांच की जा रही है. पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद जो तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी.

97 की उम्र में इस अभिनेत्री ने जताई थी संबंध बनाने की इच्छा, कहा था- 'सेक्स करना चाहती हूं क्योंकि...'

(यंग भारत न्यूज)

अभिनेत्री जोहरा सहगल को कौन नहीं जानता है। जोहरा एक एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक शानदार डांसर भी रहीं हैं। उन्होंने कपूर फैमिली की एक-दो नहीं बल्कि चार पीढ़ियों संग पर्दे पर काम किया है। अपने करियर में उन्होंने सैकड़ों फिल्मों में काम किया। जोहरा ने 102 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कहकर चली गई। लेकिन 97 साल की उम्र में जोहरा ने जो इच्छा जताई थी उसे सुनकर आपके भी पैरों तले जमीन खिसक गाएगी।

जोहरा सहगल अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती रही हैं। उनके दिल में जो होता था वो उसे बिना किसी झिझक कह देती थीं। जोहरा ने 97 साल की उम्र में टाइम्स ऑफ इंडिया को अपना इंटरव्यू

दिया। इस दौरान जब जोहरा से एक सवाल किया गया, जिसका उन्होंने बेहद ही मजेदार जवाब दिया। उनसे पूछा गया कि इस उम्र में भी उनकी जिंदादिली का राज क्या है? इस पर उन्होंने बिंदास अंदाज में जवाब दिया- ह्यूमर और सेक्स। जोहरा ने कहा था, 'इस उम्र में भी उनके लिए सेक्स बहुत जरूरी है।' जोहरा के इस जवाब ने सभी को हैरान कर दिया था। जोहरा 14 साल तक थियेटर से भी जुड़ी रहीं। इसके अलावा वो 'नीचा नगर', 'अफसर', 'दिल से', 'सांवरिया', 'चीनी कम' जैसी फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने तंदूरी नाइट्स, द ज्वेल इन द क्राउन और अम्मा एंड फैमिली जैसे टीवी शोज भी किए। जोहरा सहगल ने 8 दशक से भी लंबे समय तक फिल्मों में काम किया और अलग मुकाम बनाया। यही नहीं, जोहरा सहगल को भारत की पहली महिला अभिनेत्री माना जाता है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिली। जोहरा सहगल को साल 1998 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। इसके बाद साल 2001 में कालिदास सम्मान और 2004 में संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। फिर साल 2010 में जोहरा सहगल को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। बता दें कि जोहरा सहगल को बचपन से ही डांसिंग और एक्टिंग का काफी शौक था। इस शौक ने तब और ज्यादा उड़ान भरी जब देहरादून के डांसर और कोरियोग्राफर उदय शंकर का डांस देखा। वो उनसे काफी प्रभावित हुईं थीं। इसके बाद उन्होंने उनकी डांस अकेडमी भी ज्वॉइन की। यहीं उनकी मुलाकात कामेश्वर सहगल हुई। कुछ ही समय में दोनों को प्यार हो गया। कामेश्वर सहगल इंदौर के कुछेक युवा वैज्ञानिकों में से एक थे, जिन्हें डांसिंग और पेंटिंग का भी शौक था। कामेश्वर सहगल,जोहरा से आठ साल छोटे थे। फिर भी दोनों ने परिवार के खिलाफ जाकर शादी की।

मुंबई में ऐसा पहले कभी नहीं देखा...' बीच पर सोने को मजबूर सैकड़ों लोग; छिड़ी गई बहस

(यंग भारत न्यूज)

मुंबई में इन दिनों भीषण गर्मी, उमस और बिजली कटौती ने आम जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया है। हाल ही में सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए हैं जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचाइन तस्वीरों में दर्जनों लोग रात के अंधेरे में मुंबई के वर्सोवा बीच की रेत पर चादर बिछाकर सोते हुए नजर आ रहे हैं। यह दृश्य सिर्फ एक तस्वीर नहीं है, बल्कि मुंबई शहर में रहने वाले गरीब तबके और झुग्गी-झोपड़ियों के निवासियों की उस मजबूरी को बयां करता है जो आसमान से बरसती आग और बिना बिजली की रातों में घुटने को मजबूर हैं।

ये कोई अतिक्रमणकारी या बेघर लोग नहीं हैं, बल्कि वर्सोवा बीच से महज कुछ ही मीटर की दूरी पर स्थित बस्तियों और झुग्गियों में रहने वाले नागरिक हैं। मुंबई में इस साल पड़ रही अप्रत्याशित गर्मी और चिपचिपी उमस ने घरों के भीतर रहना दुश्वार कर दिया है। इन झुग्गियों में एस्बेस्टस या टिन की छतें होती हैं जो दिनभर की तेज धूप में भट्टी की तरह तप जाती हैं। रात के समय भी ये छतें ठंडी नहीं होतीं। इसके ऊपर से बार-बार होने वाली बिजली कटौती ने समस्या को कई गुना बढ़ा दिया है। पंखे न चलने और वेंटिलेशन की भारी कमी के कारण इन छोटे-छोटे कमरों में सोना लगभग असंभव हो जाता है। ऐसे में राहत की सांस लेने और समंदर की ठंडी हवाओं के सहारे अपनी रात काटने के लिए ये लोग परिवार सहित बीच पर आ जाते हैं। रात भर खुली हवा में सोने

के बाद, सुबह होते ही ये सभी वापस अपने घरों और फिर अपने-अपने काम पर लौट जाते हैं। एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर इन तस्वीरों ने एक तीखी बहस छेड़ दी है। एक तरफ कुछ लोग इस पर कड़ी आपत्ति जता रहे हैं। उनका तर्क है कि सार्वजनिक स्थानों का इस तरह से इस्तेमाल शहर की सुंदरता को खराब करता है। कुछ यूजर्स ने चिंता जताई है कि खुले मैदानों और बीच पर इस तरह सोने की आदत भविष्य में स्थायी अतिक्रमण और नई झुग्गियों का रूप ले सकती है। वीडियो शेयर करने वाले एक एक्स यूजर ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की। यूजर ने क्लिप के साथ कैप्शन में लिखा, 'यह वीडियो वर्सोवा का है। हाल ही में भायंदर खाड़ी से भी ऐसा ही एक वीडियो देखा था। मैंने मुंबई में ऐसा पहले कभी नहीं देखा। अगर आपके पास रहने के लिए जगह नहीं है, तो कृपया मुंबई छोड़ दें, लेकिन सार्वजनिक जगहों को इस तरह से खराब न करें।' इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक अन्य यूजर ने भी दावा किया कि उसने बांद्रा के कार्टर रोड पर भी पिछली रात बिल्कुल ऐसा ही नजारा देखा था। वहीं दूसरी ओर, एक बहुत बड़ा वर्ग इन लोगों के समर्थन में उतर आया है। सहानुभूति रखने वाले नागरिकों का कहना है कि ये वही लोग हैं जो दिन भर ओला-उबर चलाते हैं, घरों में काम करते हैं, और दिहाड़ी मजदूरी करते हैं, जिनके बिना मुंबई की रफ्तार पूरी तरह से थम जाएगी। एक यूजर ने लिखा कि चिलचिलाती गर्मी में टिन की छतों के नीचे सोना किसी यातना से कम नहीं है। दिनभर की हाड़-तोड़ मेहनत के बाद अगर उन्हें चैन की नींद नहीं मिलेगी, तो वे अगले दिन शहर की सेवा कैसे करेंगे? यह घटना केवल वर्सोवा बीच तक सीमित नहीं है। ऐसी ही तस्वीरें बांद्रा के कार्टर रोड और भायंदर खाड़ी से भी सामने आई हैं, जहां लोग फ्लाईओवरों के नीचे या खुले मैदानों में सोते देखे गए हैं। यह स्थिति मुंबई में किफायती आवास की भारी कमी और अनियंत्रित पलायन के कारण पैदा हुए बुनियादी ढांचे के चरमराते संकट को उजागर करती है।

मेरठ में मां की अय्याशी ने कर दिया परिवार तबाह, महिला अपने आशिक से बोली- मैं शादीशुदा हूं, लेकिन.फिर शुरू हुआ खूनी खेल

(यंग भारत न्यूज)

मेरठ के रामराज क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। शादीशुदा महिला से प्रेम संबंध रखने वाले युवक पर उसके सात साल के बेटे की हत्या का आरोप है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पहले मासूम का अपहरण किया और फिर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को हस्तिनापुर के जंगल में फेंक दिया। करीब 25 घंटे बाद बच्चे का शव बरामद होने से परिवार में कोहराम मच गया। रामराज गांव निवासी गुरसेवक विदेश में नौकरी करते हैं और फिलहाल दुबई में रह रहे हैं। परिवार के अनुसार, उनका सात वर्षीय बेटा अंगदवीर कुछ दिन पहले अपनी दादी के साथ गांव आया था। मंगलवार सुबह वह घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान आरोपी अर्पित शर्मा कार लेकर वहां पहुंचा और बच्चे को अपने साथ ले गया। काफी देर तक बच्चा वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बाद में पुलिस को सूचना दी गई।

जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज

खंगाली। फुटेज में एक युवक बच्चे को कार में बैठाकर ले जाता दिखाई दिया। वाहन नंबर के आधार पर पुलिस आरोपी अर्पित शर्मा तक पहुंची। पूछताछ में पहले वह पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन बाद में उसने कथित रूप से अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस की पूछताछ के बाद आरोपी की निशानदेही पर हस्तिनापुर क्षेत्र के भद्रकाली जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। एनडीआरएफ की मदद से की गई, तलाश के दौरान बुधवार दोपहर बच्चे का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बच्चे की मौत गला दबाने से हुई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।बच्चे की दादी ने बताया कि वह अपने पोते के साथ पटियाला में रहती थी और उसकी पढ़ाई वहीं चल रही थी। कुछ दिन पहले ही दोनों गांव आए थे। मंगलवार को बच्चा घर के बाहर खेल रहा था, तभी वह अचानक लापता हो गया। परिवार को अंदाजा भी नहीं था कि उसके साथ इतनी बड़ी घटना हो जाएगी।

जयमाल के बाद चीख-पुकार, सीने पर गहरा घाव. दूल्हा-दुल्हन हिरासत में, शादी के मंडप में किसने रची मौत की साजिश?

(यंग भारत न्यूज)

वाराणसी कमिश्नरेट के राजातालाब थाना क्षेत्र स्थित मरूई गांव में जग्गू राम के बेटे हिमांशू राम की शादी मिर्जापुर की रहने वाली रेखा देवी से हो रही थी। दूल्हे के घर पर ही शादी का भव्य आयोजन चल रहा था। चारों तरफ उल्लास का माहौल था, लेकिन जयमाल की रस्म के दौरान ही लड़की पक्ष के कुछ युवकों का मामूली बात को लेकर स्थानीय लोगों से विवाद हो गया। देखते ही देखते यह कहासुनी हिंसक झड़प और मारपीट में तब्दील हो गई। मारपीट और शोर-शराबा सुनकर घर के बाहर सो रहे दूल्हे के 52 वर्षीय पड़ोसी बहादुर राम की नींद खुल गई। वे झगड़ा शांत कराने और बीच-बचाव करने के लिए आगे बढ़े। लेकिन उपद्रवियों ने उन पर ही हमला बोल दिया। कुछ देर बाद ग्रामीणों ने बहादुर राम को घर के पास लहूलुहान हालत में जमीन पर गिरा हुआ पाया। उनके सीने पर किसी नुकीली और धारदार चीज से वार किए जाने का गहरा निशान था। घटना की सूचना तुरंत जक्खिनी पुलिस चौकी और राजातालाब थाना प्रभारी को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल बहादुर राम को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जक्खिनी भिजवाया, जहाँ से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें कबीर चौरा अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि, कबीर चौरा के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बहादुर राम की मौत की खबर मिलते ही शादी वाले घर और मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे तीन बेटियां, एक बेटा और पत्नी नौरंगी देवी को छोड़ गए हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष दयाशंकर ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। गांव में कुछ लोग गोली चलने की अफवाह भी उड़ा रहे हैं, जबकि मृतक के सीने पर किसी नुकीली वस्तु से प्रहार के निशान हैं। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगी।

अयोध्या क्या सिर्फ झांकी है, मथुरा अभी बाकी है? राम मंदिर के बाद चंदा चोरी की नई कहानी कहां से आ गई?

(यंग भारत न्यूज)

1990 का वो दौर राम मंदिर आंदोलन के दौरान एक नारा लगाया जाता था- अयोध्या तो झांकी है, अभी काशी मथुरा बाकी है। ये नारे अभी तक लोगों को याद हैं। लेकिन इस वक्त इस नारे का संदर्भ बदल चुका है। वजह है मंदिर के चढ़ावे में लूट के आरोप। अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी की जांच अभी चल ही रही है और अब चर्चा शुरू हो गई है कि मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में भी इसी तरह से चढ़ावे की चोरी की जाती है। राम मंदिर के चढ़ावे में कथित घोटालों के बीच मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की जांच की मांग की गई है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह मामले के पक्षकार दिनेश शर्मा फलाहारी ने गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए खून से पत्र लिखकर सीएम योगी से सीबीआई जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि जिस तरह अयोध्या का मामला सामने आया है उसी तरह मधुरा श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर पिछले कई वर्षों से चढ़ावे का बंदरबांट किया जा रहा है। बता दें शाही ईदगाह प्रकरण के बाद सुर्खियों में आए फलाहारी कई बार खून से पत्र लिखकर सीएम योगी को भेज चुके है।

दिनेश फलाहारी महाराज ने कहा है कि कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में दान के रुपए और आभूषणों को सीसीटीवी कैमरे बंद करके गिना जाता है। उनका कहना है कि यह सब मंदिर प्रबंधन कमेटी के लोग करते हैं। खत में लिखा गया है कि ऐसा करके मैनेजमेंट के लोगों ने करोड़ों की गाड़ियां खरीद ली हैं। महंगी कोठियों में रहने लगे हैं। दिनेश फलाहारी ने लिखा है कि इस पूरे मामले की सीबीआई जांच करवाई जाए वरना वह हाई कोर्ट में इसको लेकर याचिका दायर करेंगे। राम मंदिर चढ़ावे की चोरी के मामले में जो आरोप लग रहे हैं, वैसे ही आरोप दिनेश फलहारी ने भी लगाए हैं। कहा है कि जो लोग पहले स्कूटर और ऑटो से चलते थे, चढ़ावे की चोरी करने के बाद वो लोग गाड़ियों में चलने लगे हैं। दिनेश फलहारी कृष्ण जन्मभूमि और शाही

ईदगाह वाले मामले में याचिकाकर्ता भी हैं। उनका नाम दिनेश शर्मा है। दिनेश का कहना है कि अयोध्या मंदिर की तरह मथुरा में भी सोने चांदी के आभूषणों का कोई हिसाब नहीं रखा जाता। दिनेश ने सीएम योगी से अपील भी की है। उन्होंने कहा कि हमारे हिंदुओं के गौरव माननीय मुख्यमंत्री योगी जी को अपने खून से पत्र लिखा है और मांग की है कि जिस प्रकार अयोध्या में चंदे की रकम आभूषणों का घोटाला हो रहा है उसी प्रकार मथुरा में भी हमारे किशन कन्हैया के जन्म स्थान श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में भी कई वर्षों से लगातार चंदे की चोरी हो रही है। जब गुल्लकों को खोला जाता है तो सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए जाते हैं। रुपए, आभूषण, सोना, चांदी, हीरे, जवारात सबका बंदर बांट कर लिया जाता है। जो प्रबंधन कमेटी वाले पहले स्कूटर पर आते थे, आज करोड़ों की गाड़ियों में चलते हैं। करोड़ों अरबों के उनके कोठी बंगला फार्म हाउस हैं। उत्तर प्रदेश में नहीं उत्तराखंड में भी इन्होंने जमीनें खरीदी हैं अपने नाम। तो, जिस प्रकार हमारे करोड़ों हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ हो रहा है। यह बहुत ही दुखद है। हमारी माननीय मुख्यमंत्री जी से मांग है। इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराएं। यदि आप सीबीआई जांच नहीं कराएंगे तो हम माननीय प्रयागराज हाई कोर्ट में एक याचिका लगाएंगे जिसमें मांग करेंगे कि कई वर्षों से अब तक जितना भी हमारे सनातन हिंदुओं की आस्था का जो दान पुण्य है उसको लूटा गया है उस पूरे प्रकरण की हम सीबीआई जांच की मांग करेंगे और हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी आप इस पूरे प्रबंधन को अपने हाथ में ले लीजिए क्योंकि यहां पर जिस प्रकार से घोटाले हो रहे हैं यहां के पुजारियों के आप बयान दर्ज करवा सकते हैं। उन पुजारियों को सब कुछ मालूम है। जिस प्रकार से प्रबंधन कमेटी घोटाला कर रही है। यह बहुत ही दुखद है। दिनेश शर्मा का यह भी कहना है कि श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर पर बनने वाले फूल बंगला और लगाए जाने वाले छप्पन भोग में 70% तक कमीशन लिया जाता है। उन्होंने कहा मंदिर से जुड़े लोगों की संपत्तियों की जांच करवाई जाए। उनका आरोप है कि कर्मचारियों ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में संपत्तियां खरीद ली हैं।

फैंस ने किया मेस्सी का अभिवादन...

नॉर्वे ने इराक को 4-1 से हराया

विश्वकप डेब्यू में एर्लिंग हालैंड का कमाल, दागे शानदार दो गोल

फॉक्सबोरो

एर्लिंग हालैंड ने विश्व कप में पदार्पण करते हुए दो गोल दागे और एक में सहायता की जिसकी मदद से नॉर्वे ने ग्रुप वन के पहले मैच में इराक को 4-1 से हरा दिया। मैनचेस्टर सिटी के 26 वर्ष के स्ट्राइकर हालैंड के अब 57 अंतरराष्ट्रीय गोल हो गए हैं। नॉर्वे 1998 विश्व कप में अंतिम 16 में पहुंचने के बाद पहली बार फुटबॉल के इस महासमर में जगह बना सका है। हालैंड ने 29वें मिनट में पहला गोल किया जबकि ब्रेक से ठीक पहले दूसरा गोल दागा। नॉर्वे के लिए तीसरा गोल 76वें मिनट में मार्टिन ओडेगार्ड की कॉर्नर किक पर लियो ऑस्टिगार्ड ने दागा। चौथा गोल क्रिस्टियन थोरस्टेड ने किया। वहीं 1986 में पदार्पण के बाद दूसरी बार हो विश्व कप खेल रहे इराक के लिये ऐमेन हुसैन ने एकमात्र गोल किया।

आस्ट्रिया की 36 साल बाद पहली जीत, जोर्डन को 3-1 से हराया

सांता क्लारा। आस्ट्रिया ने विश्व कप में 36 साल बाद पहली जीत दर्ज करते हुए जोर्डन को 3-1 से हराया। जोर्डन के डिफेंडर यजान अल अरब के आत्मघाती गोल से आस्ट्रिया को 16वें मिनट में 2-1 से बढ़त मिली। स्टॉपेज टाइम में अनुभवी स्ट्राइकर मार्को अर्नाटोविच ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 3-1 कर दी। आस्ट्रिया पिछले छह विश्व कप में क्वालीफाई नहीं कर सका। आस्ट्रिया के लिए रोमानो श्मिड ने 20वें मिनट में गोल डाला। वहीं अली ओल्वान ने 50वें मिनट में जोर्डन के लिए बराबरी का गोल किया। जोर्डन अब सोमवार को अल्जीरिया से खेलेगा जबकि आस्ट्रिया का सामना उसी दिन लियोनेल मेस्सी की अर्जेंटीना टीम से होगा।

नेमार ने किया टीम के साथ किया अभ्यास

मॉरिसटाउन। दाहिने पैर की चोट से उबर रहे नेमार ने ब्राजील की विश्व कप टीम के साथ पहली बार अभ्यास किया। वह पूरी रफ्तार से नहीं खेले और न्यूयार्क के बाहर टीम के अभ्यास शिविर में अनुकूलन पर ही फोकस रखा। उनका टेस्ट कराया गया है ताकि पता चल सके कि चोट की क्या स्थिति है। उन्हें 17 मई को सांतोस के सांतोस क्लब के लिए खेलते हुए चोट लगी थी। चौथा विश्व कप खेल रहे 34 वर्ष के नेमार ने अभी तक पूरे अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया है। वह हैती के खिलाफ शुक्रवार को पहला मैच नहीं खेलेंगे। पांच बार की चैंपियन ब्राजील टीम ने ग्रुप सी के पहले मैच में मोरक्को से 1-1 से ड्रॉ खेला था।

गलत कमेंट्री के कारण कमेंटेटर को हटाया

इस्तांबुल। तुर्किये के सरकारी प्रसारणकर्ता टीआरटी ने ईरान और न्यूजीलैंड के बीच मैच के दौरान टीम में गड़बड़ी करने के बाद विश्व कप के कमेंटेटरों की सूची से एक कमेंटेटर को हटा दिया है। टीआरटी ने मंगलवार देर रात एक बयान में कहा कि एक कमेंटेटर को जांच पूरी होने तक अमेरिका में विश्व कप प्रसारण टीम से हटा दिया गया है। साथ ही यह भी कहा गया कि वह टूर्नामेंट के दौरान मैच में कमेंट्री नहीं करेंगे। इस कमेंटेटर की पहचान तुर्किये मीडिया ने कुतलु एकिन सिमसेक के तौर पर की गई है। तुर्किये की मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक सिमेक ने प्रसारण के शुरुआती मिनट में ईरान के हमले को न्यूजीलैंड का हमला और न्यूजीलैंड की कार्रवाई को ईरान की कार्रवाई बताने की गलती कर दी।

पानी के ब्रेक की आलोचना

अटलांटा। क्यूरासाओ के प्रशंसक जोश से भर गए थे और जर्मनी की टीम हैरान थी। लिवानो कोमेनेसिया ने चार बार की चैंपियन जर्मनी के खिलाफ उस देश के लिए गोल किया था जो विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली सबसे कम आबादी वाली टीम है। हाफटाइम में स्कोर 1-1 होने पर एक बड़ा उलटफेर होता दिख रहा था लेकिन तभी पानी का ब्रेक (हाइड्रेशन ब्रेक) हुआ। क्यूरासाओ ने अपनी बढ़त खो दी और मध्यांतर से पहले दो गोल खा लिए और आखिरकार उन्हें जर्मनी ने 7-1 से हरा दिया। इंग्लैंड के पूर्व स्ट्राइकर एलन शियरर ने 'द रेस्ट इज फुटबॉल' पॉडकास्ट पर कहा, 'मुझे सच में उनके लिए बुरा लगा। उन्होंने गोल किया और उसके शायद 30 सेकेंड बाद ही खेल रुक गया। इससे उनकी लय टूट गई।' फीफा ने हर हाफ के बीच में पानी के ब्रेक शुरू किए हैं जिससे कि खिलाड़ी अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की गर्मी से निपट सकें।

दो गोल, दो रिकॉर्ड : एमबाप्पे ने पेले और गिरोड को पछाड़ा

फ्रांस ने सेनेगल को 3-1 से हराया

ईस्ट रदरफोर्ड। फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे ने विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले को पीछे छोड़ दिया है। सेनेगल के खिलाफ फ्रांस के विश्व कप मैच एमबाप्पे ने दो गोल दागे, जिसके दम पर उनकी टीम ने 3-1 से जीत दर्ज की।

फ्रांस के लिए 58 गोल करके उन्होंने ओलिवियर गिरोड का फ्रेंच रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। तीसरा विश्व कप खेल रहे 27 वर्ष के एमबाप्पे ने विश्व कप गोल के मामले में पेले और फ्रांस के जस्ट फोंटेन को पछाड़ा। वह जर्मनी के गर्ड म्यूलर साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर और ब्राजील के रोनाल्डो से एक गोल पीछे हैं। एमबाप्पे फ्रांस की 2018 विश्व कप में खिताबी जीत और 2022 में फाइनल तक ले जाने के सूत्रधार रहे। उन्होंने रीयाल मैड्रिड के लिए पिछले सत्र में 25 गोल दागे हैं। एमबाप्पे ने मैच के बाद कहा,' मैं इतिहास रचने और अपनी टीम को विश्व कप जीतने में मदद करने के लिए खेलता हूं।'

खबर संक्षेप

पिकलबॉल विश्व कप: जूनियर टीम के कप्तान बने अर्जुन और वीर

मुंबई। अर्जुन सिंह और वीर शाह को इस साल के आखिर में होने वाले पिकलबॉल विश्व कप के लिए क्रमशः अंडर-18 और अंडर-14 वर्ग में भारतीय कप्तान चुना गया। विश्व कप वियतनाम के दा नांग में 30 अगस्त से 6 सितंबर के बीच खेला जाएगा। अहमदाबाद में 12 से 14 जून तक हुए आधिकारिक चयन ट्रायल के बाद टीम का ऐलान किया गया। अंडर-18: अर्जुन सिंह, आदित्य सिंह, नाओमी अमलसादीवाला, देव शाह, पूर्वांश पटेल, विवान पटेल, अश्विता राजू और दीया मजीठिया। अंडर-14: वीर शाह, विरेश चोपड़ा, आरिन कल्लानी, माहिका राठौड़, मानसी कार्तिक और आश्रिता एस।

लीग ऑफ लीजेंड्स टीम ने किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। एसएफएल ईस्पोर्ट्स की 'लीग ऑफ लीजेंड्स' टीम ने जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

इस टीम में अक्षज शेनॉय, आकाश शांडिल्य, सानिध्य मलिक, मिहिर रंजन, अहमद शाहिद और राहुल बिष्ट शामिल हैं। एशियाई खेल 2026 के लिए आधिकारिक राष्ट्रीय क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट 'राष्ट्रीय ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप' 2026 में शानदार जीत के बाद टीम ने क्षेत्रीय क्वालीफायर में जगह बनाई थी। ईस्पोर्ट्स 2022 के हांगझोउ चरण में पदक स्पर्धा बना था और जापान में इसमें 11 स्वर्ण पदक दांव पर होंगे। क्षेत्रीय क्वालीफायर में 14 टीम दो चरण वाले प्रारूप में खेली थीं। ग्रुप बी में शामिल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जॉर्डन, श्रीलंका और कजाखस्तान को हराया।

टी-20 वर्ल्डकप : मंधाना और शेफाली चमकीं भारत ने नीदरलैंड को 95 रन से हराया

लीड्स

भारतीय महिला क्रिकेट टीम बुधवार को यहां स्मृति मंधाना (74 रन), शेफाली वर्मा (55 रन, 20 रन देकर तीन विकेट) और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत महिला टी20 विश्व कप के अपने दूसरे मैच में नीदरलैंड को 95 रन से शिकस्त देकर ग्रुप एक में शीर्ष पर पहुंच गई। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद मंधाना (47 गेंद में 11 चौके और एक छक्का) और शेफाली (38 गेंद, 10 चौके) ने नीदरलैंड के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी निभाई। इससे भारतीय टीम पांच विकेट पर 209 रन का स्कोर खड़ा कर विश्व कप इतिहास में सबसे बड़ा स्कोर बनाने में कामयाब रही। जवाब में नीदरलैंड की टीम 17.3 ओवर में 114 रन पर ढेर हो गई। यह उसकी लगातार दूसरी हार थी। उसके लिए कप्तान बाबेटे डि लीडे 27 गेंद में 28 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं।

स्मृति ने 74, वर्मा ने 55 रन बनाए

शेफाली ने अर्धशतक जड़ने के बाद तीन विकेट लिए

शेफाली वर्मा ने अपने हरफनमौला खेल से नीदरलैंड की पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाई। अर्धशतक जड़ने के बाद उन्होंने 3.2 ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट झटके। इस तरह वह हेली मैथ्यूज और सुने लुस के बाद महिला टी20 विश्व कप मैच में अर्धशतक और तीन विकेट लेने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गईं।

मंधाना ने लगातार दूसरी अर्धशतकीय पारी खेली

मंधाना ने लगातार दूसरी अर्धशतकीय पारी खेली जबकि शेफाली ने टूर्नामेंट में पहला अर्धशतक लगाया। विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष 20 रन और दीप्ति शर्मा 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। उनके अलावा जेमिमा रोड्रिग्स ने 19 रन का योगदान दिया।

गिल और किशन के शतक, भारत ने अफगानिस्तान को 170 रन से रौंदा

लखनऊ

कप्तान शुभमन गिल और इशान किशन के शतक के बाद अर्शदीप सिंह की अगुआई में तेज गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बुधवार को यहां अफगानिस्तान को 170 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बना ली। भारत के 403 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की टीम अर्शदीप (45 रन पर तीन विकेट), गुरनूर बराड़ (60 रन पर तीन विकेट) और प्रिंस यादव (56 रन पर दो विकेट) की तेज गेंदबाजी तिकड़ी के सामने कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी और अंततः 44.3 ओवर में 232 रन पर सिमट गई। अफगानिस्तान की ओर से रहमत शाह ने 89 गेंद में आठ चौकों से सर्वाधिक 79 रन बनाए जबकि सेदिकुल्लाह अटल (42) और रहमानुल्लाह गुरबाज (41) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। गिल ने बेहद गर्मी और पैर में जकड़न के बावजूद 154 रन की शानदार पारी खेली जबकि इशान किशन ने एकदिवसीय शतक के तीन साल के इंतजार को खत्म करते हुए 125 रन बनाए जिससे भारत ने 402 रन का स्कोर खड़ा किया।

बर्लिन ओपन: युगल मैच हारी सेरेना

बर्लिन। विम्बलडन में वापसी से पहले सेरेना विलियम्स बर्लिन ओपन टेनिस में युगल वर्ग के पहले मैच में हार गईं। सेरेना और कैरोलिना मुचोवा की जोड़ी को लिथुआनिया की ओल्गा और एरिन राउटलिफ ने 6-4, 6-4 से हराया। सेरेना ने अमेरिकी ओपन 2022 के बाद पहली बार पिछले सप्ताह क्वींस क्लब पर वापसी की थी, जहां उन्होंने पहला मुकाबला जीता। अपनी जोड़ीदार विक्टोरिया एमबोको के चोटिल होने के बाद उन्हें पीछे हटना पड़ा। 44 वर्ष की सेरेना अपनी बड़ी बहन वीनस के साथ विम्बलडन महिला युगल खेलेंगी, जिन्हें वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है।

प्वाइंट्स टेबल में भारत 'नंबर-1' अफगानिस्तान-ए को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶ दांबुला

भारत-ए ने रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए त्रिकोणीय सीरीज के पांचवें मैच को 101 रन से अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। भारत ने 4 में से 2 मैच अपने नाम किए हैं। इस टीम का नेट रन रेट +0.797 है। वहीं, 3 मुकाबलों में 2 जीत के साथ श्रीलंका (+0.494 नेट रन रेट) दूसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान (-1.983 नेट रन रेट) 3 में से 2 मैच गंवाकर तीसरे पायदान पर मौजूद है।

सूर्यवंशी व आर्य ने दी मजबूत शुरुआत

बुधवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 319 रन बनाए। भारत को वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 48 गेंदों में 75 रन जोड़े। वैभव 28 गेंदों में 2 छक्कों और 4 चौकों के साथ 38 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद प्रियांश ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ दूसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 40 रन जुटाए।

63 गेंद पहले 9 विकेट से जीती ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश पस्त

लीड्स (एजेंसी) महिला टी20 विश्व कप 2026 में बुधवार को खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के सामने बांग्लादेश ने पूरी तरह सरेंडर कर दिया। बांग्लादेश की टीम को 63 गेंद पहले ही 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया की दूसरे मैच में दूसरी जीत है, जबकि बांग्लादेश की दूसरे मैच में पहली हार। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। ऑस्ट्रेलिया ने अपने कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स के फैसले को सही साबित किया और बांग्लादेश को 20 ओवर में 8 विकेट पर 77 रन पर रोक दिया। बांग्लादेश की तरफ से सर्वाधिक 27 रन कप्तान निगार सुल्ताना ने बनाए। 47 गेंदों की पारी में निगार ने 2 चौके लगाए। रितू मोनी 26 गेंदों पर 16 रन बनाकर दूसरी श्रेष्ठ स्कोरर रहीं। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सकी। 78 रनों का मामूली लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया ने 1 विकेट के नुकसान पर 9.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। जॉर्जिया वॉल 32 गेंदों पर 1 छक्का और 6 चौके की मदद से 45 रन बनाकर नाबाद रहीं।

पहला टी20 : ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट से बांग्लादेश को हराया

जांपा-डेविस ने लिए 6 विकेट

चटोग्राम

ऑस्ट्रेलिया ने बीर श्रेष्ठो फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतीउर रहमान स्टेडियम में बांग्लादेश के विरुद्ध टी20 सीरीज के पहले मैच को 4 विकेट से अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया की जीत में एडम जांपा और जोएल डेविस का अहम योगदान रहा, जिन्होंने मिलकर 6 विकेट हासिल किए।

मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। वनडे सीरीज 1-2 से गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम बांग्लादेश के दौरे पर टी20 सीरीज जीतकर अपनी लाज बचाना चाहेगी। टी20 सीरीज के अगले दो मुकाबले 19 और 21 जून को इसी मैदान पर खेले जाने हैं।

नेशंस कप : भारतीय टीम पूल ए में छह अंक के साथ शीर्ष पर

आज उरुग्वे के खिलाफ जीत की लय कायम रखने उतरेगा भारत

ऑकलैंड

सेमीफाइनल में जगह पक्की होने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम अब बिना किसी दबाव के गुरुवार को आखिरी लीग मैच में उरुग्वे के खिलाफ भी जीत की लय कायम रखने के इरादे से उतरेगी।

भारतीय टीम पूल ए में दो मैचों में छह अंक के साथ शीर्ष पर है और अंतिम चार में पहुंच चुकी है। उसने अमेरिका को 3-2 और जापान को 2-1 से हराया।

एफआईएच प्रो लीग के अगले सत्र में जगह बनाने के लिए भारत को नेशंस कप हर हालत में जीतना है। पिछले साल भारतीय टीम प्रो लीग से बाहर होकर एफआईएच नेशंस कप में खिसक गई थी। पिछले सत्र में 16 मैचों में सिर्फ दस अंक लेकर भारत प्रो लीग में आखिरी स्थान पर रहा था। आठ देशों के एफआईएच नेशंस कप की विजेता टीम अगले साल प्रो लीग में जगह बनायेगी।

भारत का पलड़ा उरुग्वे पर भारी

विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज भारत का पलड़ा 17वीं रैंकिंग वाले उरुग्वे पर भारी होगा, जिसे पहले दोनों मैचों में पराजय का सामना करना पड़ा है। भारत ने दो मैचों में पांचों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किए। दीपिका दो गोल कर चुकी है जबकि नवनीत कौर, सलीमा टेटे और लालरेम्सियामी ने एक-एक गोल किया है। भारत के कोच शोर्ड मारिन को अपने सभी स्ट्राइकर से मैदानी गोल की उम्मीद होगी और यह मैच अच्छा मौका है।

नया संयोजन आजमाना चाहेंगे कोच

इस साल होने वाले विश्व कप और एशियाई खेलों को देखते हुए कोच नय संयोजन भी आजमाना चाहेंगे। दो मैचों में तीन गोल गंवा चुके भारतीय डिफेंस को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। मारिन ने कहा, इस तरह के टूर्नामेंटों में छोटे-छोटे पल बड़ा अंतर पैदा कर देते हैं। हमें अनुशासित प्रदर्शन करते हुए मौकों को भुनाना होगा। यहां अच्छे नतीजे हासिल करना ही लक्ष्य नहीं है बल्कि भविष्य के लिये मजबूत नींव भी तैयार करनी होगी।

भारतीय योग परंपरा में ध्यान को आत्मचेतना, मानसिक संतुलन और आंतरिक शांति का मार्ग माना गया है। आज की जीवनशैली में भी इसे अपनाने से अनेक शारीरिक और मानसिक लाभ प्राप्त होते हैं। इन लाभों और इसकी विधि के बारे में जानिए।

मानसिक शांति-संतुलन प्रदान करे ध्यान

मानसिक स्वास्थ्य

ललित मदान
योग चिकित्सक
मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, दिल्ली

आज का जीवन अत्यधिक व्यस्त, तनावपूर्ण और बाहरी आकर्षणों से भरा हुआ है। निरंतर मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, डिजिटल स्क्रीन पर बढ़ती निर्भरता, भविष्य की चिंता और भावनात्मक असंतुलन व्यक्ति को भीतर से थका रहे हैं। ऐसे समय में ध्यान केवल आध्यात्मिक साधना नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य प्रदान करने का अत्यंत प्रभावी माध्यम हो सकता है।

ध्यान क्या है: योगसूत्र में कहा गया है- 'तत्र प्रत्ययैकतानता ध्यानम्' अर्थात् जब मन किसी एक विषय या अनुभव में निरंतर प्रवाहित होने लगे, वही ध्यान है। ध्यान केवल आंखें बंद करके बैठना नहीं है। यह मन को वर्तमान क्षण में स्थिर करने और भीतर की जागरूकता से जुड़ने की प्रक्रिया है। ध्यान व्यक्ति को बाहरी अशांति से हटाकर आंतरिक स्थिरता की ओर ले जाता है। भारतीय योग परंपरा में कहा गया है- 'ध्यानं निर्विषयं मनः' अर्थात् जब मन विषयों से हटकर शांत और स्थिर हो जाता है, वही ध्यान की अवस्था है। आज अधिकांश लोग ध्यान को केवल रिलैक्सेशन तकनीक मानते हैं, जबकि योग परंपरा में ध्यान को चेतना के परिष्कार और आत्मानुभूति का साधन माना गया है।

ध्यान की तैयारी: योगदर्शन में ध्यान अचानक प्राप्त होने वाली अवस्था नहीं माना गया, बल्कि यह क्रमिक साधना का परिणाम है। प्राणायाम और धारणा मन को ध्यान के लिए तैयार करते हैं। हठयोग परंपरा में कहा गया है- 'चले वाते चलं चित्तं, निश्चले निश्चलं भवेत्' अर्थात् श्वास और मन का गहरा संबंध है। जब श्वास शांत होती है, तब मन भी शांत होने लगता है। प्राणायाम मन की चंचलता को कम कर ध्यान के लिए अनुकूल स्थिति बनाता है। धारणा मन को किसी एक बिंदु पर स्थिर करने की प्रक्रिया है। यही स्थिरता आगे चलकर ध्यान में परिवर्तित होती है।

ध्यान के प्रकार: घेरंड संहिता में ध्यान के तीन प्रकार बताए गए हैं। पहला, स्थूल ध्यान में किसी मूर्ति, देवता, प्रतीक या दृश्य स्वरूप पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। दूसरा, ज्योति ध्यान में प्रकाश या आंतरिक ज्योति पर ध्यान किया जाता है। तीसरा, सूक्ष्म ध्यान अत्यंत गहन स्तर माना गया है, जिसमें साधक आत्मस्वरूप और सूक्ष्म चेतना के अनुभव की ओर अग्रसर होता है।

ध्यान की विधि: पहले शांत और स्वच्छ स्थान चुनें। रीढ़, गर्दन और सिर को सीधा रखें। शरीर को सहज और स्थिर रखें। आंखें धीरे से बंद करें। श्वास के आने-जाने पर ध्यान दें। विचार आने पर उनसे संघर्ष न करें। धीरे-धीरे मन को पुनः ध्यान के विषय पर केंद्रित करें। प्रारंभ में 10-15 मिनट का अभ्यास पर्याप्त होता है। धीरे-धीरे समय बढ़ाया जा सकता है।

ध्यान के मानसिक लाभ: नियमित ध्यान अभ्यास से- तनाव और चिंता में कमी आती है। भावनात्मक संतुलन विकसित होता है। एकाग्रता और स्मरणशक्ति में सुधार होता है। क्रोध और चिड़चिड़ापन कम होता है। सकारात्मक सोच विकसित होती है। आत्मविश्वास और धैर्य बढ़ता है।

ध्यान के शारीरिक लाभ: ध्यान का प्रभाव केवल मन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शरीर पर भी गहराई से पड़ता है। नियमित ध्यान से रक्तचाप नियंत्रित रहने में सहायता मिलती है। नींद की गुणवत्ता सुधरती है। हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है। तनावजनित थकान कम होती है। शरीर की शांति प्रभाव सक्रिय होती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

ध्यान केवल मानसिक शांति का अभ्यास नहीं, बल्कि आत्मिक संतुलन और आत्मानुभूति की साधना है। भारतीय योग परंपरा में ध्यान को आत्मस्वरूप के प्रत्यक्ष अनुभव का माध्यम माना गया है। आधुनिक विज्ञान भी आज यह स्वीकार कर रहा है कि ध्यान मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। वास्तव में, ध्यान व्यक्ति को बाहरी अशांति के बीच आंतरिक स्थिरता और संतुलन का अनुभव कराता है। *

प्रस्तुतिः अजेश कुमार

स्वस्थ तन-निरोगी मन के लिए अपनाएं कॉमन योग प्रोटोकॉल

सामान्य स्वास्थ्य और दैनिक अभ्यास के लिए आयुष मंत्रालय भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा सामान्य योग अभ्यास यानी कॉमन योग प्रोटोकॉल को बहुत प्रभावी बताया गया है। इसमें प्रार्थना, शिथिलीकरण, योगासन, प्राणायाम, ध्यान, शांति पाठ शामिल हैं। अनुभवी योगाचार्य के निर्देशन में इनका अभ्यास करने से आपका तन-मन आजीवन ऊर्जावान और निरोगी रहेगा।

सलाह

दिव्यज्योति 'नंदन'

काफी लंबे समय तक योग चिकित्सा पद्धति को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ एक पूरक पद्धति के रूप में देखा जाता रहा है। लेकिन आज वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन जैसे संस्थान भी इस बात को मानते हैं कि योग पद्धति कोई पूरक विकल्प नहीं बल्कि वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित जीवनशैली चिकित्सा विज्ञान है और अब इसे इसी रूप में मान्यता मिल रही है। 21 जून को जब से 'इंटरनेशनल-डे ऑफ योगा' मनाए जाने की शुरुआत हुई है, तब से पूरी दुनिया में योग के वैज्ञानिक प्रोटोकॉल खूब चर्चा में हैं। माना जाता है कि इन्हीं योग के वैज्ञानिक प्रोटोकॉल के चलते आज योग चिकित्सा पद्धति, कोई पूरक पद्धति नहीं बल्कि वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित जीवनशैली चिकित्सा विज्ञान का रूप ले चुकी है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया में न केवल इनकी खूब चर्चा होती है बल्कि इन्हें अपनाने पर भी जोर दिया जाता है। आइए इन्हें समझते हैं और सही विधि, अनुशासन से अपनी दैनिक जीवनचर्या में इसे अपनाते हैं।

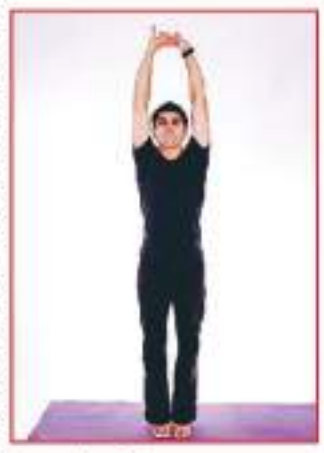

सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार सदियों से सबसे प्रसिद्ध योगासन माना जाता रहा है। 12 आसनों का यह क्रम या सेट न सिर्फ पूरे शरीर को सक्रिय करता है बल्कि मेटाबॉलिज्म को भी तेज करता है। वजन को नियंत्रित रखता है और इससे डायबिटीज प्रबंधन में मदद मिलती है। इन सभी बातों की वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन भी पुष्टि करता है।

श्वास नियंत्रण यानी प्राणायाम

अनुलोम-विलोम, कपालभाति और भ्रामरी जैसे प्राणायाम फेफड़ों की क्षमता बढ़ाते हैं और ऑक्सीजन सप्लाई करते हैं। विभिन्न शोध अध्ययनों में पाया गया है कि नियमित प्राणायाम करने से ब्लड प्रेशर में 5 से 10 एमएमएचजी तक की कमी आ सकती है।

ताड़ासन और वृक्षासन

ये आसन शरीर का संतुलन और पोस्चर सुधारते हैं। लंबे समय तक बैठकर काम करने वालों के लिए ये आसन बहुत उपयोगी हैं। हाल के सालों में पूरी दुनिया में विशेषकर यूरोप के देशों में इन दोनों आसनों को बहुत पसंद किया जाता है। वहां पर बड़ी संख्या में लोग इन दोनों आसनों का नियमित अभ्यास करते हैं।

भुजंगासन और धनुरासन

आज की जीवनशैली के लिए यह भी एक महत्वपूर्ण योग प्रोटोकॉल है। क्योंकि इन दोनों आसनों के अभ्यास से रीढ़ की हड्डी लचीली बनती है और पीठ दर्द में राहत मिलती है। विशेषकर आईटी सेक्टर और ऑफिस कर्मचारियों के लिए ये दोनों आसन सर्वाधिक लाभकारी हैं।

शवासन

शवासन यानी डीप रिलैक्सेशन एक ऐसी योग तकनीक है, जो तनाव और चिंता को सबसे प्रभावी तरीके से कम कर देती है। यह आसन हमारे शरीर में बनने वाले कार्टिसोल यानी स्ट्रेस हार्मोन के स्तर को घटाता है, जिससे आराम महसूस होता है और तनाव कम होता है।

ध्यान या मेडिटेशन

योग के वैज्ञानिक प्रोटोकॉल में यह भी एक महत्वपूर्ण प्रोटोकॉल है। नियमित मेडिटेशन यानी ध्यान करने से मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। विभिन्न शोध अध्ययनों में पाया गया है कि डिप्रेशन के लक्षणों को नियमित ध्यान से एक महीने के भीतर ही 30 से 40 फीसदी तक कम किया जा सकता है। डब्ल्यूएचओ इसे विशेष रूप से डिप्रेशन थेरेपी के रूप में भी अभ्यास करने की सलाह देता है।

योग निद्रा

प्राचीन काल में यह प्रक्रिया सिर्फ साधु-संतों द्वारा अपनाई जाती थी। माना जाता था कि आम लोगों को इसकी जरूरत नहीं है। लेकिन हाल के सालों में जिस तरह से आम लोगों पर काम का दबाव बढ़ा है, उसके कारण उनमें मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ा है। यह प्रक्रिया यानी योग निद्रा गहरी मानसिक विश्रांति की तकनीक है, जो नींद की गुणवत्ता को सुधारती है और अनिद्रा से मुक्ति दिलाने में भी कारगर है।

त्रिकोणासन

यह योगासन भी कॉमन योग प्रोटोकॉल में शामिल है। इस आसन को नियमित तौर पर करने से शरीर में लचीलापन बढ़ता है। साथ ही पेट, कमर की चर्बी कम करने में भी यह बहुत सहायक है।

मंडूक आसन और वज्रासन

पाचन तंत्र को मजबूत और सक्रिय बनाने वाले ये दो महत्वपूर्ण और कारगर योगासन हैं। साथ ही इनसे डायबिटीज को नियंत्रण में रखने में मदद मिलती है।

नियमितता और संयम

यह कोई योग आसन या प्रक्रिया नहीं बल्कि योग प्रक्रिया के प्रति अनुशासन बरते जाने का नाम है। इसे महत्वपूर्ण योगा प्रोटोकॉल में गिना जाता है, जिसका मतलब है नियमित अभ्यास करना। सप्ताह में कम से कम पांच दिन 30 से 45 मिनट योगा करने से निश्चित और अनेक तरह के फायदे मिलते हैं।

हाल में इन वैज्ञानिक प्रोटोकॉल को पूरी दुनिया की कई मेडिकल संस्थाओं ने महत्वपूर्ण माना है, क्योंकि इन्हें नियमित अपनाने से टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों को काफी राहत मिलती है। हृदय रोगियों में हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। योगा करने वाले लोगों में तनाव और चिंता का स्तर 25 से 30 फीसदी तक कम पाया गया है। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन और दुनिया के कई महत्वपूर्ण मेडिकल संस्थानों ने इन्हें महत्वपूर्ण योगा प्रोटोकॉल माना है।

अपनी उम्र, लिंग और शारीरिक-मानसिक स्थिति के आधार पर योग विशेषज्ञ के निर्देशन में ही इसे अपनाने की सलाह दी जाती है। *

मैं डेली योग जरूर करता हूं: मनीष वाधवा

योगानुभव

सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे शो 'हस्तिनापुर के वीर' में भीष्म पितामह का किरदार मनीष वाधवा निभा रहे हैं। योगाभ्यास का उनके जीवन में क्या महत्व है, इस बारे में वह बताते हैं, 'यह मेरी लाइफ में योगा उतना ही इंपॉर्टेंट है जैसे भोजन करना, पानी पीना, डेली रूटीन के जरूरी काम। जहां तक इससे होने वाले फायदों की बात है तो सबसे प्रमुख है-फ्लैक्सिबिलिटी। उसके अलावा कंसंट्रेशन लेवल बढ़ जाता है। मुझे ऐसा लगता है कि इससे मेरे भीतर पॉजिटिविटी भी बढ़ती है। खासतौर पर मेडिटेट करते वक्त

जो शांति मिलती है, वह बहुत अमेजिंग होती है। मेरी जिंदगी में ये सब बदलाव हैं, जो योगाभ्यास करने से पहले नहीं थे।

योगाभ्यास में मैं सूर्य नमस्कार करता हूं। वज्रासन करता हूं, जो हम खाना खाने के बाद करते हैं। इनके अलावा, धनुरासन, ताड़ासन, सिंहासन और वृक्षासन भी मैं डेली रूटीन में जरूर करता हूं। इनके अलावा भ्रामरी और कपालभाति प्राणायाम भी करता हूं। अनुलोम-विलोम भी कर लेता हूं। ये सब मैं रेगुलर बेस पर करता हूं। डेली मैं बीस मिनट इन सबके लिए देता हूं।

मेरा यह भी एक्सपीरियंस है कि जिम वर्कआउट तो मसल्स वगैरह के लिए आपको करना पड़ता है। उससे आप थोड़े स्टिफ हो जाते हैं। लेकिन योगा करने से आपमें लचीलापन आ जाता है। मुझे लगता है कि शारीरिक रूप से कई बीमारियां भी योगा से आप ठीक कर सकते हैं। तो मैं इसीलिए ज्यादातर योगा प्रेफर करता हूं।' *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

अगर आप नियमित योगाभ्यास करते है लेकिन आपका आहार-विहार उचित और संतुलित नही है तो आपको वांछित लाभ नही मिलेंगे। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि योगाभ्यास के संपूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए आपका आहार और विहार कैसा होना चाहिए?

योगमय जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है आहार-विहार

सजगता

अंजू गुप्ता

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि संतुलित और सजग जीवन जीने की एक संपूर्ण पद्धति है। योगासन, प्राणायाम और ध्यान का पूर्ण लाभ तभी प्राप्त होता है जब व्यक्ति का आहार और विहार भी संतुलित हो। भारतीय योग परंपरा में शरीर, मन और जीवनशैली तीनों को समान महत्व दिया गया है। यदि आहार असंतुलित हो और दिनचर्या अव्यवस्थित हो, तो योगाभ्यास का प्रभाव सीमित हो जाता है।

भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं- युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु/ युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा।

अर्थात् जिसका आहार-विहार संतुलित है, कर्म संतुलित हैं तथा जिसकी निद्रा और जागरण उचित हैं, उसके लिए योग दुःखों का नाश करने वाला बनता है।

चेतना का आधार आहार: भारतीय दर्शन में भोजन को केवल शरीर के पोषण का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि मन और चेतना को प्रभावित करने वाला तत्व भी माना गया है। छांदोग्य उपनिषद् में कहा गया है- 'आहारशुद्धौ सत्त्वशुद्धिः।' अर्थात् आहार की शुद्धि से मन की शुद्धि होती है। तैत्तिरीय उपनिषद् में 'अन्नं ब्रह्म' कहा गया है, जो भोजन के महत्व को और अधिक स्पष्ट करता है।

मिताहार की अवधारणा: हठयोग प्रदीपिका में 'मिताहार' को योगसाधना के लिए अत्यंत आवश्यक बताया गया है। मिताहार का अर्थ केवल कम भोजन करना नहीं, बल्कि ऐसा संतुलित, सात्विक और सुपाच्य भोजन करना है, जो शरीर और मन दोनों को संतुलित रखे। योग ग्रंथों के अनुसार- भोजन ताजा और हल्का होना चाहिए। भोजन शांत मन से करना चाहिए। अत्यधिक भोजन से बचना चाहिए। भोजन उचित मात्रा में और नियमित समय पर करना चाहिए। हठयोग की परंपरा में कहा गया है कि पेट का आधा भाग भोजन, एक चौथाई जल और एक चौथाई वायु के लिए छोड़ना चाहिए। यह सिद्धांत पाचन को संतुलित रखने में सहायक माना गया है।

सात्विक, राजसिक और तामसिक आहार: भगवद्गीता के सत्रहवें अध्याय में भोजन को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, दूध, घी और प्राकृतिक भोजन सात्विक माने गए हैं। ऐसा भोजन मन को शांत, स्थिर और प्रसन्न बनाता है। अत्यधिक तीखा, खट्टा, नमकीन और उत्तेजना बढ़ाने वाला भोजन राजसिक माना गया है। यह मन में चंचलता और उत्तेजना बढ़ा सकता है। बासी, अत्यधिक तला-भुना, अस्वच्छ, मांसाहार और नशीले पदार्थ तामसिक श्रेणी में आते हैं। यह शरीर में आलस्य और मन में जड़ता बढ़ाते हैं।

विहार का महत्व: योग में 'विहार' का अर्थ केवल घूमना-फिरना नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवनशैली और व्यवहार से होता है। नियमित दिनचर्या, पर्याप्त विश्राम, संयमित व्यवहार, सकारात्मक संगति और मानसिक संतुलन- ये सभी योगाभ्यास की सफलता के लिए आवश्यक हैं। आज की भाग-दौड़ भरी जीवनशैली में अनियमित नींद, देर रात तक जागना, अत्यधिक स्क्रीन समय और मानसिक तनाव शरीर तथा मन दोनों को प्रभावित करते हैं। ऐसे में योग संतुलित जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देता है।

मानसिक आहार भी आवश्यक: आज के समय में केवल शारीरिक भोजन ही नहीं, बल्कि मानसिक आहार भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम दिन भर जो देखते, सुनते और सोचते हैं, उसका प्रभाव हमारे मन और भावनाओं पर पड़ता है। नकारात्मक समाचार, अत्यधिक सोशल मीडिया, तनावपूर्ण वातावरण और निरंतर मानसिक उत्तेजना मन को अशांत बना सकते हैं। योग सकारात्मक विचार, संयमित जीवन और साक्षीभाव विकसित करने पर बल देता है।

आधुनिक विज्ञान की दृष्टि: आधुनिक विज्ञान भी अब यह स्वीकार कर रहा है कि भोजन और जीवनशैली का सीधा संबंध मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़ा होता है।

योग और संतुलित जीवन: योग हमें केवल शरीर को स्वस्थ रखना नहीं सिखाता, बल्कि सजगता के साथ जीना भी सिखाता है। संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, सकारात्मक विचार और संयमित जीवनशैली योग के प्रभाव को कई गुना बढ़ा देते हैं। योगाभ्यास तभी पूर्ण फल देता है, जब जीवन में संतुलन हो। शुद्ध आहार, संतुलित विहार और सकारात्मक मानसिकता व्यक्ति को केवल रोगों से दूर नहीं रखते, बल्कि उसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। वास्तव में, योग और संतुलित जीवनशैली मिलकर स्वस्थ और शांत जीवन का आधार बनते हैं। *

(मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के योग चिकित्सक मधु खुराना से बातचीत पर आधारित)

विकसित भारत के लिए गांवों का सशक्त होना जरूरी : जिलाधिकारी

- केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत रक्सा में आयोजित हुई रात्रि चौपाल
- 12 साल विश्वास के विकास के और जनकल्याण के' अभियान के तहत आयोजित हुई रात्रि जन-चौपाल, ग्रामीणों से सीधे संवाद में जुटे अधिकारी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर 5 जून से 21 जून, 2026 तक जनपद में व्यापक स्तर पर केन्द्र एवं राज्य सरकार की नीतियों, संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की उपलब्धियों तथा जनसामान्य के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन को प्रदर्शित करने हेतु एक समेकित अभियान संचालित है। जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी की अध्यक्षता में बुधवार रात्रि में विकास खण्ड बबीना के ग्राम पंचायत रक्सा में रात्रि चौपाल का आयोजन कर जन-शिकायतों को सुनते हुए शासकीय योजनाओं की समीक्षा एवं जन-शिकायतों का निस्तारण किया गया। ग्रामीण बस्ती का निरीक्षण के दौरान स्थानीय समस्याओं का जमीनी स्तर पर अध्ययन कर त्वरित सुधारात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों - स्वास्थ्य विभाग, कृषि, महिला कल्याण, आईसीडीएस, उद्योग विभाग आदि की कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी दी। रात्रि चौपाल में समुदाय आधारित गतिविधियां आयोजित की गई जिनमें महिला व बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों का अन्नप्राशन, महिलाओं की गोद भराई, पोशण पोटली वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाकर ग्रामीणों महिलाओं बच्चों ,बुजुर्गों के स्वास्थ्य का परीक्षण तथा आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण भी प्रदान किए गए। जन चौपाल को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा एवं श्रमिकों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना। जिलाधिकारी ने ग्राम वासियों से ग्राम पंचायत में स्थित विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति, पढ़ाई की गुणवत्ता, मिड डे मील की गुणवत्ता, बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालक, स्वास्थ्य उपेंद्रों पर स्वास्थ्य की जांच, टीकाकरण, विद्युत आपूर्ति, हर घर जल योजना अंतर्गत जल की आपूर्ति एवं जल की गुणवत्ता तथा भूमि विवाद आदि के संबंध में जानकारी ली, ग्रामीणों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। जिलाधिकारी ने ग्राम वासियों से कहा कि यदि किसी भी प्रकार की समस्या होती है तो प्रतिदिन कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई 10 से 12 बजे के बीच में उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत करा सकते हैं, उसकी जांच कर नियमानुसार निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि शिकायत मिली कि किसी दबंग व्यक्ति द्वारा किसी गरीब की जमीन पर कब्जा कर लिया गया है तो उसकी जांच कराकर प्रकरण सही पाए जाने पर मुकदमा दर्ज कराते हुए पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। यदि किसी सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है, तो उसे पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने गांव के विकास, पेयजल, विद्युत, सड़क, राजस्व, आवास एवं अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं की जानकारी प्राप्त की तथा उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रशासन गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र व्यक्तियों से उनका लाभ लेने का आह्वान किया। जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने चौपाल से पूर्व मुख्य विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी,जिला पंचायत राज अधिकारी के साथ ग्राम पंचायत रक्षा की निर्धनतम परिवार वाली बस्ती का भ्रमण किया।भ्रमण के दौरान श्रीमती शीला पत्नी बाबूलाल एवं श्रीमती सुधा पत्नी नवल ने घर पहुंचे। महिलाओं से बात करते हुए उन्होंने पेंशन, आवास एवं आयुष्मान कार्ड बनवाए जाने की बात कही, जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि तत्काल संपर्क कर सभी समस्याओं का निराकरण किया जाना सुनिश्चित किया जाए। ग्राम पंचायत रक्सा में आयोजित जन चौपाल के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं, लाभार्थीपरक कार्यक्रमों एवं सरकारी सेवाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को उपलब्ध कराई गई। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं एवं सुझाव प्रशासन के समक्ष रखे, जिनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। रात्रि जन चौपाल कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष श्री सुधीर सिंह, नगर उपाध्यक्ष श्री संजीव अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी श्री रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड, जिला विकास अधिकारी श्री सुनील कुमार, परियोजना निदेशक श्री राजेश कुमार , डीपीआरओ डॉ0 बाल गोविंद श्रीवास्तव,डीसी मनरेगा शिखर कुमार श्रीवास्तव, उपायुक्त उद्योग, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों, विभागीय कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही।

महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान को सदैव याद रखें : पं. अरविन्द वशिष्ठ

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। ब्रह्म विभूति स्मृति न्यास के तत्वावधान में वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर महारानी लक्ष्मीबाई पार्क में दीपदान कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पं. अरविन्द वशिष्ठ एवं अध्यक्ष पं. संजय दुबे ने महारानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

मुख्य अतिथि पं. अरविन्द वशिष्ठ ने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई का जीवन अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और आत्मबलिदान का प्रेरणास्रोत है। देश की स्वतंत्रता एवं स्वाभिमान की रक्षा के लिए उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका संघर्ष और त्याग आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा तथा राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय को महारानी लक्ष्मीबाई के आदर्शों एवं वीरता को सदैव स्मरण रखना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पं. संजय दुबे ने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई भारतीय नारी शक्ति, स्वाभिमान और पराक्रम की प्रतीक हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे महारानी लक्ष्मीबाई के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर राष्ट्र एवं समाज के उत्थान में योगदान दें। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने महारानी लक्ष्मीबाई के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान महारानी लक्ष्मीबाई के त्याग, शौर्य और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर पं. अवधेश मकड़ारिया, अभिषेक दीक्षित, पं. निखिल पाठक, पं. आशीष बाजपेयी, पं. पवन तिवारी, पं. कार्तिक पटेरिया, पं. सुधीर त्रिवेदी, पं. अतुल मकड़ारिया, पं. अशोक पाण्डेय, पं. संजय मिश्रा एवं पं. गौरव त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विश्व विख्यात भागवत मर्मज्ञ आचार्य डॉ श्याम सुंदर पाराशर 2 जुलाई से विदेश में लहरायेंगे भारतीय संस्कृति का ध्वज

(यंग भारत न्यूज)

गुरसरांय। विश्वविख्यात भागवत कथा के मर्मज्ञ डॉ श्यामसुंदर पाराशर शास्त्री एवं उनके पुत्र भागवताचार्य पं ऋषि पाराशर विदेश में जाकर धर्म ध्वजा लहरायेंगे तथा भारतीय संस्कृति का प्रचार प्रसार करेंगे। उनके पूर्व सचिव सितार वादक पं सरजू शरण पाठक ने बताया कि 2 से 8 जुलाई न्यूयार्क,10 से 17 जुलाई बिल्टन,20 से 26 जुलाई वासिंगटन,30 जुलाई से 1 अगस्त यू एस ए, 2 अगस्त से 8 अगस्त केलिफोर्निया,10 से 17 अगस्त ब्राम्हटन टोरेंटो,21 से 22 अगस्त केम्ब्रिज यू यस ए,30 आगत से 5 सितंबर न्यूयार्क में कथाएं करेंगे। मध्यप्रदेश डबरा के पास भितरवार तहसील में जन्मे डॉ श्याम सुंदर पाराशर की शिक्षा दीक्षा धर्मसंघ संस्कृत विद्यालय वृंदावन में हुई।उन्होंने विशुद भागवत को देश के विद्वानों के सान्निध्य में शास्त्रीय संगीत के द्वारा श्लोकों का गायन किया तथा परंपरा को सुरक्षित रखा।उनके द्वारा गाये हुए शास्त्रीय संगीत में श्लोकों का गायन आज युवा विद्यार्थी अनुसरण कर रहे।विश्व मे धर्म ध्वजा फहराई तथा भारतीय संस्कृति का प्रसार किया।

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर विश्वविद्यालय ने किया श्रद्धापूर्वक नमन

-राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने लिया राष्ट्रसेवा एवं जनजागरण का संकल्प

-राष्ट्रभक्ति, साहस और स्वाभिमान की अमर प्रतीक हैं रानी लक्ष्मीबाई - कुलपति

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर गुरुवार को रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में राष्ट्रनायिका एवं स्वतंत्रता संग्राम की महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर दीपांजलि एवं पुष्पांजलि अर्पित कर विश्वविद्यालय परिवार ने उनके अद्वितीय साहस, राष्ट्रप्रेम, स्वाभिमान और मातृभूमि के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई केवल झांसी की गौरवगाथा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारत की प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अपने अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और मातृभूमि के प्रति समर्पण से ऐसा इतिहास रचा, जो सदियों तक देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। उनका जीवन त्याग, संघर्ष, नेतृत्व क्षमता और आत्मसम्मान का अनुपम उदाहरण है। कुलपति ने कहा कि वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई ने विदेशी शासन के विरुद्ध जिस वीरता और पराक्रम के साथ संघर्ष किया, वह भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर स्वतंत्रता की ज्योति प्रज्वलित की और देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत की। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और साहस का संदेश देता रहेगा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय स्वयं वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर स्थापित है, इसलिए विश्वविद्यालय परिवार का दायित्व और भी बढ़ जाता है कि वह उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए कृषि शिक्षा, अनुसंधान, ग्रामीण विकास तथा राष्ट्र निर्माण के कार्यों में समर्पित भाव से योगदान दे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवकों ने भी रानी लक्ष्मीबाई के जीवन और बलिदान को स्मरण करते हुए राष्ट्रहित, सामाजिक उत्तरदायित्व, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज सेवा का संकल्प लिया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का त्याग और राष्ट्रप्रेम युवाओं के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है तथा उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कुलपति डॉ. सिंह ने कहा कि आज झांसी नगर सहित सम्पूर्ण देश में रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस को श्रद्धा, सम्मान और गौरव के साथ स्मरण किया जा रहा है। यह अवसर हमें उनके अमूल्य योगदान को याद करते हुए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने और अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय परिवार ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षक, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी, स्वयंसेवक, विद्यार्थी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन

-विकास प्रदर्शनी एवं प्राकृतिक खेती कार्यशाला (खरीफ उत्पादकता गोष्ठी) का हुआ भव्य आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संस्कार सुशासन एवं सम्मान के मूलभाव पर आधारित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, विकास प्रदर्शनी एवं प्राकृतिक खेती कार्यशाला (खरीफ उत्पादकता गोष्ठी) एवं किसान दिवस का भव्य एवं गरिमामय आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में जिला प्रशासन और कृषि विभाग के समन्वय से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस विशेष गोष्ठी में जिला प्रशासन और कृषि एवं कृषि समावेशी विभागों द्वारा पिछले 12 वर्षों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की गई तथा आगामी खरीफ सीजन के लिए रणनीतियों व विभागीय कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप विधायक गरौठा श्री जवाहर लाल राजपूत एवं सदस्य विधान परिषद श्रीमती रमा आर पी निरंजन के अन्य सम्मानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कृषि विभाग, कृषि रक्षा अनुभाग, फसल बीमा, उद्यान विभाग, कौशल विकास, माध्यमिक शिक्षा, चिकित्सा, पशु चिकित्सा, रेशम, पुलिस, पंचायत श्रम, बेसिक शिक्षा, महिला कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, इफ्को आदि कि साथ-साथ निजी कृषि निवेश निर्माता/विक्रेता फर्मों एवं स्वयं सहायता समूह द्वारा स्टाल/विकास प्रदर्शनी लगायी गयी, जिसका विशेष अतिथियों एवं जिला प्रशासन द्वारा अवलोकन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उप कृषि निदेशक श्री बुद्ध देव द्विवेदी द्वारा वित्तीय वर्ष 2014-15 से 2025-26 तक की अवधि के आंकड़े प्रस्तुत किए गए। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के निर्धारित नियमों के तहत जनपद के लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में डी.बी.टी. के माध्यम से निर्बाध रूप से धनराशि भेजी जा रही है, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अनुसार प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति की प्रतिपूर्ति के लिए जनपद के कृषकों का बीमा कराया गया, जिसके अंतर्गत किसानों की फसल क्षति का मुआवजा सीधे कृषकों के खातों में भेजा जा चुका है। पीएम कुसुम योजना के तहत कृषकों को सोलर पंपों की स्थापना पर 60 प्रतिशत तक का अनुदान देय है, जिसके तहत जनपद में अब तक कुल 140 सोलर पंप सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं। कृषि विभाग द्वारा आधुनिक यंत्रों पर सब्सिडी प्रदान करके हजारों की संख्या में किसान लाभांवित किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त, जनपद के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए जिले में एग्रीजंक्शन केंद्र प्रशासनिक नियमों के तहत सफलतापूर्वक संचालित हैं। मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। वहीं, नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के नियमों के अंतर्गत कृषकों को प्राकृतिक खेती हेतु विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। पिछले 12 वर्षों में विशेष अभियान चलाकर नए/नवीनीकृत किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए, जिसके माध्यम से फसली ऋण वितरित किया जा चुका है। कार्यक्रम में सदस्य विधान परिषद श्रीमती रमा निरंजन जी ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों, श्रमिकों की उन्नति और महिला सशक्तिकरण हमेशा माननीय प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी के लिए सर्वोपरि रहा है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला। जिला कृषि अधिकारी ने खरीफ सीजन हेतु जनपद में पर्याप्त मात्रा में खाद, बीज और कीटनाशकों (कृषि निवेशों) की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए विभागीय अनुदान योजनाओं के नियमों की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी और सहायक निबंधक एवं सहायक आयुक्त सहकारिता ने भी अपने-अपने विभागों द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक द्वारा मृदा स्वास्थ्य पर प्रकाश डालते हुए रासायनिक खादों और कीटनाशकों से होने वाले दीर्घकालिक नुकसानों के प्रति सचेत किया और प्राकृतिक खेती अपनाने की पुरजोर अपील की। पशुपालन वैज्ञानिक ने पशुओं के रोगों व बचाव के टीकों की जानकारी देने के साथ-साथ मवेशियों के गोबर को जैविक खाद के रूप में उपयोग करने के बहुआयामी लाभ बताए। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही योजनाओं और तकनीकी सुधारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य विकास अधिकारी श्री रामेश्वर सुधाकर सब्बनबाड ने फसल बीमा तथा प्राकृतिक खेती के महत्व पर बल देने के साथ-साथ किसानों के कल्याण के लिए अन्य महत्वपूर्ण विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि जिला पंचायत राज विभाग, ग्रामीण स्वच्छता, पंचायती राज व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विकास पर काम कर रहा है। मनरेगा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार गारंटी के साथ-साथ कृषि संपत्तियों व जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों का गठन और सुदृढीकरण किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग और जिला ग्रामीण विकास अभिकरण जैसी संस्थाएं समाज के वंचित वर्गों को पेंशन, छात्रवृत्ति और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़कर उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने का कार्य कर रही हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने आम जनता और किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने विशेष रूप से फैमिली आईडी और फार्मर रजिस्ट्री के दूरगामी लाभों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने किसानों को जागरूक करते हुए कहा कि इन डिजिटल पहलों से जुड़कर वे सरकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष, पारदर्शी और त्वरित लाभ उठा सकते हैं, जिससे अंततः उनकी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। प्राकृतिक खेती कार्यशाला में किसान प्रतिनिधि श्री कमलेश लंबरदार एवं आचार्य अविनाश ने भी प्राकृतिक खेती के संबंध में उपस्थित किसानों को गृहमंत्र दिए। सम्मेलन के दौरान मुख्य अतिथियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित शासकीय नियमों के तहत सामग्री एवं स्वीकृति-पत्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर विधायक गरौठा, श्री जवाहर राजपूत, विषय वस्तु विशेषज्ञ श्री दीपक कुशवाहा, श्री लल्ला सिंह, श्री अनिल कुमार, श्री धर्मेन्द्र प्रताप सिंह सहित जनपद के प्रगतिशील कृषक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष सहित किसान उपस्थित रहे।

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य और बलिदान को किया स्मरण

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि के अवसर पर अक्षय जन सेवा समिति के केंद्रीय कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष सविता पचौरी ने रानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं मोमबत्ती प्रज्ज्वलित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों, सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने भी वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके अदम्य साहस, देशभक्ति एवं बलिदान को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का जीवन राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और महिला सशक्तिकरण का प्रेरणास्रोत है। उनका बलिदान सदैव देशवासियों को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंडित आचार्य मनोज पाठक, विवेक गोस्वामी, हेमंत कुशवाहा, रिंकी कुशवाहा, संजीव विश्वकर्मा, अनिल त्रिपाठी, पूनम अवस्थी, इंजीनियर मयंक श्रीवास्तव, बबली, मोहनी, राहुल एवं सचिन सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अरुण पचौरी ने सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

महारानी लक्ष्मीबाई को नमन किया उनकी युद्ध सामग्री झांसी वापस लाने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बुंदेलखंड क्रांति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह के नेतृत्व में महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर लक्ष्मीबाई पार्क में उनकी प्रतिमा पर दीपांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह ने महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान को नमन करते हुए शासन से उनकी तलवार सहित ऐतिहासिक युद्ध सामग्री को ग्वालियर से झांसी वापस लाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर सुरक्षित रहेगी और नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी।

कार्यक्रम में मो. नईम मंसूरी, प्रमोद सिंह शेखावत, जिलाध्यक्ष विनोद वर्मा, नगर अध्यक्ष कालीचरण श्रीवास, सुनील पुरोहित, जगदीश विश्वकर्मा एवं लक्ष्मीनारायण सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718